उज्जैन
मंगलवार
06
अक्टूबर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-333
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 लाखों का बोटोक्स ट्रीटमेंट इंदौर के एमवाय में मुफ्त

7 लखनऊ में भारत-वेस्टइंडीज पहला टी-20 आज



अनूप सोनी पर सबसे ज्यादा भरोसा करती हैं हरलीन सेठी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

एक्ट्रेस हरलीन सेठी ने फन सेगमेंट में अपनी पसंद और निजी अनुभवों से जुड़े कई मजेदार खुलासे किए। उन्होंने बताया कि वह आंख बंद करके सिर्फ अपने मां-बाप पर भरोसा करती हैं। को-स्टार्स में अनूप सोनी को सबसे भरोसेमंद और सुमित व्यास को सबसे फनी बताया। हरलीन ने जेनिफर विंगेट के साथ रोड ट्रिप पर जाने की इच्छा जताई और आलिया भट्ट व रणवीर सिंह के साथ काम करने की ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने अपने यादगार फैन मोमेंट का किस्सा भी साझा किया, जब लंदन की एक फैन ने उनके डांस वीडियो देखकर अपनी दिवाली खास बनाने की बात कही। मैं पहले भी लोगों को बहुत ज्यादा ऑब्जर्व नहीं करती थी और अब भी कम ही करती हूं। लेकिन इस किरदार ने एक बात जरूर समझाई कि हर किसी पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता। कई बार जो लोग आपके बहुत करीब दिखाई देते हैं, जरूरी नहीं कि वे हमेशा आपका भला ही चाहें।

देश

- **संत प्रेमानंद** महाराज की जान को खतरा, जेड+ सुरक्षा मिले, श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास अध्यक्ष ने सीएम को लिखा पत्र
- **आकाश आनंद** 31 दिन बाद फिर बसपा के राष्ट्रीय संयोजक, मायावती ने भतीजे को 3 बार पद से हटाया, ससुर ने राजनीति छोड़ी तब पद दिया
- **असम में** 4.5 तीव्रता का भूकंप, 4 मिनट बाद मणिपुर में झटके महसूस हुए
- **पश्चिम बंगाल** का नाम बदलने की तैयारी, समिक भट्टाचार्य बोले- अगले सत्र में बिल लाएगी सरकार, 1999 में ज्योति बसु ने सबसे पहले प्रस्ताव रखा था
- **ममता बनर्जी** का तीन अस्पतालों को कानूनी नोटिस: पूछा- मेरी मेडिकल रिपोर्ट शुभेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंची, 2021 में व्हीलचेयर पर बैठकर प्रचार किया था

विदेश

- **लंदन-शिकागो** फ्लाइट 28 हजार फीट नीचे आई, पायलट ने इमरजेंसी अलर्ट भेजा, रास्ता बदलकर लंदन लौटी, वजह साफ नहीं
- **अमेरिकी** उपराष्ट्रपति बोले- फ्लाईदुबई का को-पायलट हमामी समस्या था, उसे फ्लाइट उड़ाने नहीं देना था, ओमान ने कहा- किसी देश ने हमामी की जानकारी नहीं मांगी
- **अफगानिस्तान** ने चीन तक बनाई सड़क, भारत के लिए चिंता, 121 किमी का वाखान कॉरिडोर चीन के लिए सीधा रास्ता, लद्दाख के पास बढ़ेगा असर

व्यापार

- **इंडिगो टिकट** आज से महंगी, फ्यूल चार्ज बढ़ाया, घरेलू उड़ानों में 1300 रु., इंटरनेशनल में 10,000 रु. तक ज्यादा देने होंगे
- **जीएसटी-काउंसिल** की मीटिंग 7 की जगह 8 अक्टूबर को होगी, ब्रिक्स सम्मेलन की वजह से दूसरी बार टली

कार्टून..



31 दिसंबर 2029 की नशामुक्ति की डेडलाइन के बीच उज्जैन के धार्मिक क्षेत्रों में उठ रहा सवाल

1183 दिन बाद शराब डिपो से मिलेगी मुक्ति?

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मध्यप्रदेश को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त बनाने के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के संकल्प के बाद अब उज्जैन में धार्मिक स्थलों के आसपास संचालित शराब डिपो को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। खासकर तपोभूमि और शनि मंदिर के बीच स्थित शराब डिपो तथा बड़नगर रोड पर चंदूखेड़ी के समीप संचालित डिपो को लेकर चर्चा है कि सरकार की प्रस्तावित नशामुक्ति नीति में इनकी स्थिति क्या होगी।

शाह ने मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने की बात कही है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक रूप से सामने आ रहा है कि नशामुक्ति की इस मुहिम का दायरा केवल ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों तक सीमित रहेगा या शराब को लेकर भी कोई व्यापक नीति बनाई जाएगी।

नशामुक्ति में शराब शामिल होगी या नहीं- शाह की घोषणा के आधार पर फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगा कि 31 दिसंबर 2029 को प्रदेश के सभी शराब डिपो अथवा शराब दुकानें स्वतः बंद हो जाएंगी। घोषणा में शराब के डिपो बंद करने की अलग से कोई निश्चित समय-सीमा सामने नहीं आई है। इसलिए फिलहाल डिपो बंद होने की बात को निष्कर्ष के रूप में नहीं, बल्कि आने वाली नीति से जुड़े सवाल के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि यदि सरकार की विस्तृत कार्ययोजना में शराब को भी नशामुक्ति अभियान के दायरे में शामिल किया जाता है, तो धार्मिक नगरी उज्जैन में शराब प्रतिष्ठानों के स्थान और भविष्य को लेकर बहस तेज होना स्वाभाविक है।

धार्मिक क्षेत्रों के आसपास डिपो पर नजर- तपोभूमि और शनि मंदिर के बीच स्थित शराब डिपो को लेकर जैन समाज की ओर से लंबे समय से आपत्तियां उठती रही हैं। इसी तरह बड़नगर रोड पर चंदूखेड़ी के समीप स्थित शराब डिपो भी धार्मिक परिवेश के कारण चर्चा में है। यहां अभ्युदय मंदिर सहित आसपास के धार्मिक स्थलों के चलते यह मुद्दा केवल शराब बिक्री तक सीमित नहीं रहता, बल्कि धार्मिक क्षेत्र के स्वरूप से भी जुड़ जाता है। जैन समाज की निगाह अब सरकार की आगामी कार्ययोजना पर है। सवाल यह है कि यदि प्रदेश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया गया है तो धार्मिक नगरियों और धार्मिक स्थलों के आसपास शराब की उपलब्धता को लेकर क्या अलग नीति बनाई जाएगी?

31 दिसंबर 2029 तक 1183 दिन

31 दिसंबर 2029 की निर्धारित समय-सीमा अभी दूर है, लेकिन लक्ष्य की तारीख तय हो चुकी है। सरकार के पास इस अवधि में विस्तृत नीति बनाने और उसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का अवसर है। ऐसे में उज्जैन में सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि 31 दिसंबर 2029 के बाद शराब के डिपो बंद होंगे या नहीं? बड़ा सवाल यह है कि नशामुक्त मध्यप्रदेश की अंतिम कार्ययोजना में शराब को किस रूप में शामिल किया जाता है और धार्मिक नगरी उज्जैन के संवेदनशील धार्मिक क्षेत्रों के लिए सरकार क्या व्यवस्था तय करती है। अब निगाह सरकार की उस विस्तृत कार्ययोजना पर है, जो यह स्पष्ट करेगी कि नशामुक्त मध्यप्रदेश का संकल्प शराब तक पहुंचेगा या नहीं।

80 की उम्र में 930 किमी पैदल चलेंगे दिग्विजयसिंह

उज्जैन से अयोध्या तक सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा, बोले- हिंदू शब्द वेद पुराणों में नहीं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 20 अक्टूबर से सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा शुरू करेंगे। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से शुरू होने वाली यह यात्रा 930 किलोमीटर का सफर तय कर अयोध्या पहुंचेगी।

खास बात यह भी है कि दिग्विजय सिंह ने 2017 में अपनी नर्मदा परिक्रमा विजयादशमी के दिन शुरू की थी। इस बार भी उन्होंने यात्रा की शुरूआत के लिए विजयादशमी का दिन ही चुना है। उन्होंने कहा- मैं अगर 80 की उम्र में खुद को केवल 50 साल का महसूस करता हूं, तो किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। साथ ही कहा कि हिंदू शब्द हमारे ग्रंथ, वेद, उपनिषद, पुराणों में कहीं उपयोग नहीं हुआ है।

पहले चिंतामन गणेश, फिर महाकाल मंदिर जाएंगे दिग्विजय- उज्जैन के कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी ने बताया कि दिग्विजय सिंह 19 अक्टूबर की रात उज्जैन आएंगे। 20 अक्टूबर की सुबह सबसे पहले चिंतामन मंदिर जाएंगे। फिर बालाजी गार्डन में पार्थिव शिवलिंग बनाएंगे। इसके बाद महाकाल मंदिर में दर्शन करने के बाद करीब 2 बजे यात्रा शुरू करेंगे। जिले में यात्रा 5 दिन रहेगी। पहला पड़ाव कानीपुरा में होगा। इसके बाद सिंदुरिया, तराना, कनासिया होते हुए यात्रा शाजापुर जिले में प्रवेश करेगी। हर पड़ाव पर उनके साथ चलने के लिए हजारों लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

70 दिन की यात्रा, रोज 15डट चलने की तैयारी- यात्रा में दिग्विजय सिंह करीब 930 किमी की दूरी तय करेंगे। इसे 70 दिन में पूरा करने का लक्ष्य है। रोज करीब 15 किमी पैदल चलने की योजना है। दिग्विजय सिंह यात्रा की तैयारी के लिए रोज करीब 8 किमी पैदल अभ्यास कर रहे हैं। यात्रा में करीब 3 हजार लोगों के शामिल होने की तैयारी है। इसे गैर राजनीतिक रखने की बात कही गई है। यात्रा का ध्येय वाक्य यतो धर्मस्ततो जयः रखा गया है।



हिंदू फारसी शब्द, वेद-उपनिषद-पुराणों में नहीं

दिग्विजय सिंह ने कहा, आज हिंदू धर्म की बात कोई नहीं कर रहा, सनातन धर्म की बात हो रही है। जब से मैंने सनातन धर्म कहना चालू किया, लोग इसकी बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हिंदू फारसी शब्द है। हमारे ग्रंथों में, वेद में, उपनिषद में, पुराणों में कहीं भी हिंदू शब्द का उपयोग नहीं हुआ है। यह सनातन धर्म है। सिंह ने आरोप लगाया कि आरएसएस और वीएचपी ने सनातन धर्म को बिगाड़ा है। उन्होंने सनातन को हिंदुत्व का नाम दिया, जिससे हिंदू-मुस्लिम, हिंदू-सिख और हिंदू-ईसाई समाजों के बीच दूरी बढ़ी। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि पहले राम शिलाओं के लिए चंदा इकट्ठा किया गया, उसमें घपला हुआ। इसके बाद राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में भी गड़बड़ी की गई। उन्होंने कहा, हमारी आस्था के प्रतीक भगवान राम के चढ़ावे के पैसे खा गए।

डॉ. मोहन भागवत कारंजा में स्मृति भवन-नेत्रालय का लोकार्पण करेंगे

कार्यक्रम में 2000 लोग होंगे शामिल, 1500 सुरक्षाबल तैनात

ब्रह्मास्त्र ▸▸ बालाघाट

बालाघाट के लांजी क्षेत्र के कारंजा गांव में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आएंगे। वे यहां नवनिर्मित स्मृति भवन और माधव नेत्रालय का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम दोपहर 2.30 बजे होगा।

स्मृति भवन तृतीय सर-संघचालक बालासाहेब देवरस और भाऊराव देवरस के जीवन, कार्य और संघ से जुड़े योगदान की स्मृतियों को प्रदर्शित करने के लिए तैयार किया गया है। वहीं नेत्रालय के माध्यम से क्षेत्र में नेत्र जांच और इलाज से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है।

कारंजा में डॉ. मोहन भागवत के आगमन को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। कार्यक्रम में आम लोगों के शामिल होने की व्यवस्था की गई है। आयोजन स्थल पर करीब 2 हजार लोगों के बैठने के लिए पंडाल बनाया गया है। संघ पदाधिकारियों ने सोमवार को तैयारियों को लेकर बैठक भी की। कार्यक्रम की शुरूआत सुरभी गौशाला में गौपूजन से होने की जानकारी दी गई है। इसके बाद दत्तात्रेय मंदिर में पूजन और फिर स्मृति भवन तथा नेत्रालय का लोकार्पण होगा। कभी नक्सली क्षेत्र रहे लांजी के कारंजा में आरएसएस प्रमुख डॉ. भागवत के आगमन को लेकर करीब डेढ़ हजार सीआरपीएफ, हॉक और जिला पुलिस बल के अलावा सीआईएसएफ के सुरक्षा बल जगह-जगह तैनात रहेंगे।

सरकारी आश्रम स्कूल में 82 स्टूडेंट्स का आधा सिर मुंडवाया

मुंबई। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक सरकारी आश्रम स्कूल के 82 छात्रों को आधा गंजा कर देने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यह घटना शनिवार को चिमूरा तालुका के जंभुलघाट स्थित सरकारी सेकेंडरी आश्रम स्कूल में हुई है। आश्रम से मिली जानकारी के मुताबिक, आश्रम में शनिवार सुबह को बच्चों के बाल काटे जा रहे थे। इसी दौरान कुछ बच्चे खेल रहे थे। बच्चों के इसी व्यवहार से सुपरिटेंडेंट प्रशांत मेश्राम नाराज हो गए। उन्होंने गुस्से में 82 बच्चों के आधे बाल कटवा दिए।

महाराष्ट्र में हिंगोली के पटाखा गोदाम में आग, 2 मौतें

हिंगोली। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में सोमवार रात पटाखों के गोदाम में आग लग गई। हादसा रात 8 बजे मारवाड़ी गली में हुआ। आग तेजी से फैली और पटाखे फटने से रुक-रुककर धमाके हुए। इससे इलाके में दहशत फैल गई। आग से कुछ घर और गली में खड़े दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। यह पटाखा गोदाम गोपाल बस्तवार का बताया गया है। 2 लोगों के शव मिले हैं। बुरी तरह जल जाने के कारण उनकी पहचान नहीं हो पाई है। जबकि 7 लोग झुलस गए हैं।

दिल्ली में चुनाव आयोग का आज घेराव

19 दल जुटेंगे, संसद से ईसीआई मुख्यालय तक 3किमी का मार्च निकालेंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

एसआईआर को लेकर जारी विरोध के बीच 19 विपक्षी दल आज दिल्ली में चुनाव आयोग का घेराव करेंगे। इंडिया ब्लॉक के विपक्षी सांसद दिल्ली में 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकालेंगे। वे संसद से चुनाव आयोग मुख्यालय तक करीब 3 किमी पैदल जाएंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक दिन पहले पर लिखा कि कांग्रेस पार्टी की 3 मांगें नॉन-नेगोशिएबल हैं। पहली- ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, दूसरी- एसआईआर को रद्द करना, तीसरी- बैलट पेपर पर चुनाव कराना। देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के साथी इन तीन मुद्दों को लेकर सड़कों पर हैं।

इससे पहले 11 अगस्त 2025 को इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद भवन से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था। इसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, शरद पवार समेत 25 विपक्षी दल शामिल हुए थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेंद्र कुमार से इस्तीफा दें। उन्होंने मतदाता सूची में कथित दखल की जांच में सहयोग करने की भी बात कही। वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, हटाने और सुधार की पूरी जानकारी बूथ और विधानसभा स्तर पर सार्वजनिक होनी चाहिए। किसी वैध मतदाता का नाम हटाने से पहले नोटिस और अपील का मौका मिलना चाहिए। एसआईआर से बड़ी संख्या में वोटर लिस्ट से बाहर हो सकते हैं।

सीजेपी नेताओं का दावा-सरकार हमें अरेस्ट करने की तैयारी में

अभिजीत दीपके बोले- डरेंगे नहीं, एसआईआर के खिलाफ जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को प्रदर्शन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने दावा किया कि सरकार 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पहले अभिजीत दीपके, सौरव दास, आशुतोष, रत्ना और अन्य सीजेपी नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है।

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने लिखा- अमित शाह आखिर कितने लोगों को गिरफ्तार करोगे। प्रदर्शन में पूरा देश आ रहा है। सरकार को लगता है कि यूएपीए, एनएस या जेल की सजा से हम डर जाएंगे, तो ऐसा नहीं होगा। जरूरत पड़ी तो सालों तक जेल में भी रहेंगे। सीजेपी ने चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान किया है। सोमवार शाम सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा- सुप्रीम कोर्ट की लोकतंत्र अपनी अलग भूमिका है। वो चाहे तो निभाए, चाहे न निभाए। हमें इससे लेना-देना नहीं। जहां तक बात अकाउंटेबिलिटी की है, तो युवा अपना हक लेना जानते हैं।

सौरव दास बोले- गिरफ्तारी के बाद भी आंदोलन नहीं रुकेगा

सौरव दास- युवा अब अपने अधिकारों को लेकर जागरूक हैं और किसी भी तरह की कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे। सरकार अगर उन्हें गिरफ्तार भी करती है, तो आंदोलन जारी रहेगा। नेता साथ हों या न हों, अपने अधिकारों और भविष्य के लिए आंदोलन जारी रखें। **अभिजीत दीपके-** सीजेपी उन राज्यों में भी जीत रही है, जहां मोदी लहर के दौरान भी उसे जीत नहीं मिली थी। ज्ञानेश कुमार के पद पर रहते और एसआईआर जारी रहने तक यह पता नहीं चलेगा कि बीजेपी वास्तव में कितनी सीटें जीत सकती है। अगर चुनाव का नतीजा पहले से तय होने लगे तो चुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है। **आशुतोष रांका-** सूत्रों के मुताबिक 10 तारीख से पहले हमें कभी भी एनएसए/दूसरे किसी कानून के तहत गिरफ्तार कर लिया जाएगा। लेकिन अगर हमें मार भी दिया तो हमारी चिता से निकलने वाली आग तुम्हारे महलों को पिघला देगी।

रामघाट, सिद्धवट और गया कोठा में श्रद्धालुओं की भीड़, आवाज देने के बाद भी नजर नहीं आ रहे कौए

श्राद्ध पक्ष में पितरों के लिए तर्पण-पिंडदान, ब्राह्मण तृप्त, लेकिन कौओं का इंतजार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

श्राद्ध पक्ष में धर्म नगरी उज्जैन के रामघाट, सिद्धवट और गया कोठा तीर्थ पर इन दिनों पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म कराने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सुबह से ही शिप्रा के घाटों पर श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मशांति और मोक्ष की कामना के साथ धार्मिक अनुष्ठान करते नजर आ रहे हैं। कोई तर्पण कर रहा है तो कोई पिंडदान, वहीं अनेक श्रद्धालु ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान-दक्षिणा दे रहे हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार श्राद्ध कर्म में ब्राह्मण भोजन के साथ ही कौओं को भोजन कराना भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यही कारण है कि कई स्थानों पर श्रद्धालु कौओं के आने का इंतजार करते दिखाई दे रहे हैं।

श्रद्धालु अपने घरों से बनाए गए पकवान और श्राद्ध के लिए तैयार किए गए भोजन को पत्तल या अन्य पात्र में रखकर कौओं के आने की प्रतीक्षा करते हैं। कुछ लोग कौओं को आवाज भी लगाते हैं और आसपास नजर दौड़ाते रहते हैं। काफी देर इंतजार के बाद भी जब कौआ दिखाई नहीं देता तो श्रद्धालुओं के चेहरे पर चिंता और निराशा दोनों नजर आती हैं। कई श्रद्धालुओं का कहना है कि पहले श्राद्ध के दिनों में कौए आसानी से दिखाई दे जाते थे, लेकिन अब शहर में इनकी संख्या काफी कम नजर आती है।



ब्राह्मण तृप्त, कौओं का इंतजार

रामघाट पर श्राद्ध कर्म कराने आए एक परिवार ने बताया कि विधि-विधान के अनुसार तर्पण और पिंडदान के बाद ब्राह्मणों को भोजन कराया गया। ब्राह्मण भोजन भी संतुष्ट होकर कर चुके हैं, लेकिन कौओं को भोजन कराने के लिए काफी देर से इंतजार किया जा रहा है। परिवार के सदस्यों ने आसपास के पेड़ों और घाट के दूसरे हिस्सों में भी नजर दौड़ाई, लेकिन कौआ कहीं दिखाई नहीं दिया। इसी तरह सिद्धवट और गया कोठा क्षेत्र में भी कई श्रद्धालु कौओं के आने की प्रतीक्षा करते देखे जा सकते हैं। धार्मिक मान्यता में कौए को पितरों का प्रतीक माना गया है। श्राद्ध कर्म के दौरान कौए को भोजन कराने को पितरों तक भोजन पहुंचने का प्रतीक माना जाता है। इसी विश्वास के कारण श्राद्ध करने वाले परिवार कौए के आने और भोजन ग्रहण करने को शुभ संकेत के रूप में देखते हैं। ऐसे में जब लंबे समय तक कौआ नहीं आता तो श्रद्धालुओं की बेचैनी स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

बुजुर्ग श्रद्धालुओं का कहना है कि कुछ वर्ष पहले तक श्राद्ध पक्ष में कौओं का इंतजार नहीं करना पड़ता था। घरों की छतों, पेड़ों, गलियों और खुले स्थानों पर कौए आसानी से दिखाई देते थे। जैसे ही श्राद्ध का भोजन रखा जाता था, कौए आसपास मंडराने लगते थे।

कभी घर-आंगन में दिखते थे, अब तलाशना पड़ रहा

अब बढ़ते शहरीकरण, पेड़ों की संख्या में कमी, खुले स्थानों के घटने और बदलते पर्यावरण के कारण शहर में कौओं की मौजूदगी पहले की तुलना में कम महसूस होती है। हालांकि कौओं की संख्या में कमी के पीछे केवल एक कारण मानना उचित नहीं होगा। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार शहरों में लगातार बदलती जीवनशैली, निर्माण कार्य, पेड़ों और प्राकृतिक आवास में कमी तथा भोजन के पारंपरिक स्रोतों में बदलाव का असर पक्षियों पर भी पड़ता है। इसका प्रभाव उन पक्षियों पर विशेष रूप से दिखाई देता है जो लंबे समय से मानव बस्तियों के आसपास रहते आए हैं। श्राद्ध पक्ष के दौरान उज्जैन के रामघाट, सिद्धवट और गया कोठा में धार्मिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। बड़ी संख्या में बाहर से भी लोग अपने पितरों का श्राद्ध कराने पहुंच रहे हैं। पंडितों और पुरोहितों द्वारा विधि-विधान से तर्पण, पिंडदान और अन्य कर्मकांड कराए जा रहे हैं।

श्रद्धालु शिप्रा में स्नान करने के बाद पितरों के निमित्त तर्पण करते हैं और उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हैं। इसी दौरान कौओं की अनुपस्थिति एक अलग तरह का सवाल भी खड़ा कर रही है। धार्मिक आस्था के स्तर पर जहां श्रद्धालु इसे पितरों से जोड़कर देखते हैं, वहीं पर्यावरण की दृष्टि से यह शहर के प्राकृतिक वातावरण में हो रहे बदलाव की ओर संकेत भी माना जा सकता है। पितरों को अन्न अर्पित करने की परंपरा के बहाने ही सही, कौओं के संरक्षण और शहर में पक्षियों के प्राकृतिक आवास को बचाने पर भी विचार करने की जरूरत महसूस होने लगी है।

महाकाल श्रृंगार



रजत चंद्र-त्रिशूल और त्रिपुंड से हुआ राजा स्वरूप श्रृंगार

अपनेतक

वर्दी पर भरोसा कायम रहना चाहिए

जंतर-मंतर पर महिला प्रदर्शनकारी के साथ कथित बदसलूकी के आरोप सामने आना केवल एक व्यक्ति के व्यवहार का सवाल नहीं है, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली और जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय है। प्रदर्शन कर रहे नागरिकों के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन इस जिम्मेदारी के निर्वहन में सम्मान और मयार्दा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। वहीं आरोपों की सत्यता तय होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना भी उचित नहीं होगा। उपलब्ध वीडियो, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच होनी चाहिए।

लोकतंत्र में प्रदर्शन और असहमति के अधिकार का सम्मान तथा पुलिस की निष्पक्षता—दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। पुलिस की वर्दी नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास पैदा करती है। इसलिए ऐसे आरोपों की पारदर्शी जांच ही उस भरोसे को बनाए रखने का सबसे मजबूत रास्ता है।

अग्रवाल महिला मंडल की रंगोली और व्यंजन प्रतियोगिता, संजना अग्रवाल बनीं विजेता

उज्जैन। अग्रसेन जयंती महोत्सव के अंतर्गत अग्रवाल महिला मंडल द्वारा 'सेहत स्वाद का अनूठा संगम' और 'कलर स्टोन से रंगोली बनाएं' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मंडल की अध्यक्ष ममता अग्रवाल और सचिव मीना गर्ग ने बताया कि महिलाओं की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में अनेक प्रतियोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उर्मि बागड़िया और हर्ष चेतवानी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर संजना अग्रवाल ने प्रथम पुरस्कार जीता। डॉली गुप्ता और संध्या अग्रवाल ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही बबीता अग्रवाल, हिना गर्ग, अंशिता अग्रवाल और शिवानी अग्रवाल ने सांत्वना पुरस्कार जीते। आयोजकों ने बताया कि इसी महोत्सव की श्रृंखला में 6 अक्टूबर को अग्रवाल महिला मंडल द्वारा 'दिव्य युगल जोड़ी' प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

किसी का खंडन न करें अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़े रहें

उज्जैन। उदयपुर के आयड़ तीर्थ में रविवार को देवसूर तपागच्छीय सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। श्रद्धा, एकता और संगठन की सुदृढ़ता के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में चार राज्यों के शताधिक जैन संघों से लगभग 500 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आचार्य श्री मुक्तिसागरसूरीश्वरजी म. सा. के मार्गदर्शन में जैन धर्म की गौरवशाली परंपरा और सामाजिक समरूपता पर मंथन किया गया, जिसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत और उदयपुर के महापौर दिनेश भट्ट विशेष रूप से उपस्थित रहे। संजय जैन खलीवाला ने बताया कि इस भव्य सम्मेलन में उज्जैन श्री संघ की ओर से 20 सदस्य शामिल हुए। स्थानीय समाजजनों ने भी इस आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। आचार्य श्री मुक्तिसागरसूरीश्वरजी म. सा. ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि खंडन किसी का नहीं, मगर अपनी मूल परंपरा, संगठन और संस्कारों से जुड़े रहना जरूरी है। उन्होंने आपसी मतभेद भुलाकर एकता बनाए रखने का आह्वान किया और कहा कि किसी भी पंथ, गच्छ या संप्रदाय की निंदा किए बिना अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए। इस दौरान बताया गया कि तपागच्छ का नामकरण 800 वर्ष पूर्व हुआ था।

बाजारों में श्राद्ध कर्म से जुड़ी सामग्री की खरीदी के कारण इस दौरान भी अच्छी चहल-पहल रहती

बाजार खुले, पर ग्राहक नदारद, बैरिकेड्स भी हटाए

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

शाही मस्जिद प्रकरण के बाद प्रशासन ने छत्रीचौक के समीप स्थित बाजारों को खोलने की अनुमति देने के साथ ही सोमवार को बैरिकेड्स हटवा दिए। बाजार खुले तो सही, लेकिन छह दिन बाद भी ग्राहकों की आमद उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। आम दिनों में मेले जैसा माहौल रहने वाले बड़ा सराफा, सिंधी कपड़ा मार्केट, नईपेठ, पटनी बाजार और गोपाल मंदिर क्षेत्र में सोमवार शाम तक दुकानदार ग्राहकों की बाट जोहते नजर आए।

श्राद्धपक्ष में धार्मिक मान्यताओं के चलते नए वस्त्र और आभूषणों की खरीदारी भले ही सीमित रहती है, लेकिन इन बाजारों में श्राद्ध कर्म से जुड़ी सामग्री की खरीदी के कारण इस दौरान भी अच्छी चहल-पहल रहती है। लोग पूजन सामग्री के साथ दान के लिए पीतल-तांबे के कलश, थाली, गंगाजली, वस्त्र आदि खरीदने पहुंचते हैं। छह दिन तक बाजार बंद रहने के बाद दुकानदारों को उम्मीद थी कि बाजार खुलते ही ग्राहकों की आवाजाही बढ़ेगी, लेकिन शाम तक स्थिति इसके विपरीत रही।

बाहर से उज्जैन आए तीर्थयात्री जरूर पूजन-पाठ से जुड़ी सामग्री खरीदते दिखाई दिए। मेडिकल स्टोर्स पर भी दवाइयां खरीदने के लिए लोग पहुंचे। वहीं क्षेत्र की प्रसिद्ध कुल्फी दुकान पर भी रोजाना की तुलना में काफी कम ग्राहक नजर आए। बाजार खुलने के बावजूद अधिकांश दुकानों पर ग्राहकों की कमी साफ दिखाई दे रही थी।



धीरे-धीरे जोर पकड़ेगा बाजार

सराफा क्षेत्र के अधिकांश दुकानदारों का मानना है कि बाजार को सामान्य होने में अभी दो-तीन दिन लग सकते हैं। दुकानदारों के अनुसार सोमवार को भी पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बलों की मौजूदगी और बैरिकेडिंग का असर दिखाई दे रहा था, जिसके चलते लोग बाजार आने से बचते रहे। हालांकि उम्मीद है कि स्थिति सामान्य होने के साथ ही लोग बेखौफ होकर बाजारों में पहुंचेंगे और कारोबार भी धीरे-धीरे गति पकड़ेगा।

सोमवार रात तक मंदीवाड़े के बीच दुकानदार आपस में मिलते-जुलते और कारोबार की स्थिति पर चर्चा करते दिखाई दिए। लंबे समय बाद दुकानें खुलने के बावजूद बिक्री कम रहने को लेकर व्यापारी एक-दूसरे से हालचाल लेते और आने वाले दिनों में बाजार के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद जताते रहे।

माधवनगर स्टेशन हो रहा तैयार, पेंटिंग से दिखेगा शहर का वैभव

सिंहस्थ के लिए रेलवे ने भी तैयारियां शुरू कर दी है। माधवनगर रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट पर पेंटिंग बनाई जा रही है। बाहर से आने वाले यात्री उज्जैन के वैभव को देखेंगे। प्लेटफार्म नंबर 8 के पास सिंहस्थ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के लिए होल्डिंग एरिया बनना शुरू हो गया। नीचे का बेस बनकर तैयार होकर शेड के लिए एंगल भी लगा है। भीड़ का लोड़ बढ़ने पर यहां श्रद्धालुओं को कुछ समय होल्ड कराया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से एआई आधारित सीसीटीवी और कैमरे लगाए जाएंगे।

पीर मत्स्येंद्रनाथ समाधि स्थल पर 25 और 26 अक्टूबर को मनेगा भव्य शरदोत्सव

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

योगिराज मत्स्येंद्रनाथ समाधि संरक्षण, विकास तथा शरदोत्सव समिति द्वारा पीर मत्स्येंद्रनाथ समाधि स्थल पर 25 और 26 अक्टूबर 2026 को दो दिवसीय 'शरदोत्सव' का भव्य आयोजन किया जाएगा। उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी, भव्य जुलूस निकाला जाएगा और श्रद्धालुओं को खीर की महाप्रसादी वितरित की जाएगी। आयोजन की रूपरेखा तय करने और तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए समाधि स्थल पर समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष डॉ प्रकाश रघुवंशी ने की। बैठक के दौरान आगामी 'शरदोत्सव' को भव्य बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई और जिम्मेदारियां तय की गईं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अभिभाषक विजय पटेल ने किया तथा आभार मनोहर गेहलोत (पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा) ने माना। आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी किशोर भाटी और अजय गेहलोत ने दी।

आयोजन समिति की इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से पूर्व नगर निगम सभापति सोनू गेहलोत, क्षेत्रीय पार्षद हेमंत भूरू गेहलोत, सत्यनारायण कछावा, राधेश्याम गेहलोत, रामप्रसाद पहलवान, नरेंद्र सांखला, अज्जू पटेल, मोहन राठौर, धर्मेंद्र परिहार, नितिन गेहलोत, रमेश जादम खलीफा, विरु सांखला, मंगल कछावा, सावन गेहलोत, पृथ्वी गेहलोत, मनोज जादम और अमन गेहलोत सहित समिति के अन्य सदस्य व श्रद्धालु उपस्थित थे।

पितरों को बैकुंठ लोक प्राप्ति के लिए जतन



आज एकादशी श्राद्ध

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

वर्ष मे सामान्यतः 24 एकादशी आती हैं और अधिकमास मे 26 एकादशी का संयोग होता है। भगवान विष्णु की कृपा प्राप्ति के लिए सभी एकादशी महत्वपूर्ण होती हैं किन्तु श्राद्धपक्ष पक्ष मे आनेवाली एकमात्र इंदिरा एकादशी का विशेष महत्व है। धर्म ग्रंथों मे इंदिरा एकादशी को राजा तिथि बताया गया है। इस दिन निराहार रहकर विशेष पंचाक्षर या अष्टाक्षर मंत्र का जाप करने से अधोगति से मुक्ति मिलती है व बैकुंठ की प्राप्ति होती है ऐसी धार्मिक मान्यता है।



पितृ गायत्री का पाठ उत्तम

श्राद्धपक्ष की इंदिरा एकादशी बहुत ही विशेष महत्व रखती है। इस दिन पितृदेव अर्यमा को सर्वप्रथम स्मरण करते हुए समस्त देवों को नमन करने चाहिए ,पश्चात सप्त ऋषियों का ध्यान करते हुए ₹ ॐ पित्राए नमः का जाप करते हुए आहूति ,अग्नि में छोडना चाहिए। स्वधा ही पितृलोक की देवी हैं अतः श्राद्ध कर्म मे स्वाहा की जगह स्वधा मान्य है। इस दिन व्रत रखने से सात पीढियों तक के पितृ तृप्त हो जाते हैं व उन्हें अधोगति से मुक्ति मिलती है।

आचार्य पं अखिलेश महाराज, श्रीकृष्ण कालोनी।

पितृ गायत्री पाठ करना चाहिए

श्राद्ध करते समय पितृ गायत्री का पाठ अत्युत्तम होता है। पितृ गायत्री का मंत्र है : ॐ पितृगणाय विद्महे जगतधारिणे धिमहि, तन्नो पित्रो प्रचोदयात। इसके बाद योग्य ब्राह्मण को यथेष्ट दान दक्षिणा दें।

पं सौरभ श्रीधर।

अर्यमा का महत्व सर्वाधिक

श्रीमद्भागवत गीता मे कृष्णजी ने स्वयं कहा है कि पितरों के प्रमुख देव अर्यमा वे स्वयं है। अतः एकादशी श्राद्ध तिथि महत्वपूर्ण है। एकादशी तो वैसे ही पुण्य देनेवाली तिथि है किन्तु यदि किसी पूर्वज की मृत्यु एकादशी पर हुई हो तो उसके वंशज एकादशी पर श्राद्ध करते हैं। श्रीकृष्ण को स्मरण करते हुए श्राद्धकर्म करने का धार्मिक विधान है। इस दिन व्रत करके अपने पितरों की तृप्ति व बैकुंठ लोक की कामना से गुड, घी,खीर ,तिल आदि से कंडे या उपले पर होम करना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि खीर मे चावल न हो क्योंकि एकादशी पर चावल खाना निषेध है। खीर ,मखाने या साबूदाना की बनाना चाहिए। प्यास व लहसुन जैसे तामसिक पदार्थ भी नहीं खाना चाहिए।

स्वधा के उच्चारण के साथ हवन

श्राद्ध कर्म के हवन मे स्वाहा शब्द निषेध है इसके स्थान पर स्वधा बोलना चाहिए क्योंकि स्वधा ही पितृलोक की देवी हैं और वे माध्यम बनकर आहूति ,हमारे पितरों तक पहुंचाती हैं।

उज्जैन में पहली बार मचेगी 15 से 17 अक्टूबर तक 'काठियावाड़ी' गरबों की धूम

श्री वल्लभ वैष्णव मंडल द्वार जंतर मंतर रोड स्थित गंगा गार्डन में होगा तीन दिवसीय आयोजन

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

श्री वल्लभ वैष्णव मंडल, महिला मंडल और युवा मंडल 15, 16 और 17 अक्टूबर को जंतर मंतर रोड स्थित गंगा गार्डन में तीन दिवसीय 'काठियावाड़ी' गरबा महोत्सव आयोजित करेंगे। मंडल के संस्थापक विट्ठल नागर के मार्गदर्शन में उज्जैन में पहली बार गुजरात के सौराष्ट्र की तर्ज पर गरबों का यह विशेष आयोजन होगा।

मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि आयोजन में महिलाओं के लिए लहंगा व साड़ी तथा पुरुषों के लिए कुर्ता पजामा का ड्रेस कोड रखा गया है। कार्यक्रम में प्रतिदिन रात 8 बजे सर्वप्रथम माता रानी की आराधना और आरती की जाएगी। इसके पश्चात कन्या पूजन और कन्या भोज संपन्न होगा, जिसके बाद गरबों की शुरूआत होगी। आयोजन को लेकर सहसंयोजक और पूरी टीम पिछले कई दिनों से अभ्यास कर रही है, जिसमें संजय सुगंधी और राजश्री सुगंधी विशेष रूप से शामिल हैं।

आयोजन के सफल संचालन के लिए महिला और युवा संयोजकों की टीम मुस्तैद है।



कार्यक्रम संयोजक के रूप में रिचा नीमा, शुभांगी नीमा, पल्लवी नागर, नीला टकसाली, अनीता शाह, हंसा राजवानी, संगीता नागर, मीना पुरोहित और कविता ऑफ को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, युवा मंडल संयोजक के रूप में अन्नेश नीमा, नितेश नागर, वरुण नागर, नीलेश राणा, विक्की नीमा, विपूल नागर, सौरभ नागर, दिलीप मित्तल, रितेश चौरसिया, पंकज अग्रवाल, कुन्दन दिसावल और अंतेश नीमा पूरी व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं।

लोक परम्परा ही भारत की वास्तविक ज्ञान परंपरा- डॉ. पारे

कालिदास अकादमी में संजा लोकोत्सव के तहत दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का समापन, लोक व जनजातीय संस्कृति पर हुआ मंथन

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित 'संजा लोकोत्सव 2026' के तहत कालिदास संस्कृत अकादमी सभागार में चल रही दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी व लोक साहित्य महोत्सव का समापन हुआ। भारत का लोक और जनजातीय साहित्य एवं संस्कृति विषय पर केंद्रित इस आयोजन में देश के 15 से अधिक राज्यों के शिक्षाविदों, शोधकताओं और लोकसंस्कृति कर्मियों ने संवेदना, पारंपरिक ज्ञान, पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर विस्तार से वैचारिक मंथन किया। समापन समारोह में



आदिवासी बोली विकास अकादमी भोपाल के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र पारे ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा, ₹भारत की लोक परम्परा ही भारतीय ज्ञान परंपरा है। संजा लोकोत्सव भारतीय भाव और विचार का आयोजन है। आज हम अपनी संस्कृति को विदेशी दृष्टि से देख रहे हैं, जिससे यह लाभ के बजाय लोभ की संस्कृति बन रही है। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने अध्यक्षता करते हुए कहा, ₹शास्त्रीय और लोक संस्कृति के निर्वहन के प्रकार अलग हो सकते हैं, लेकिन सबकी आत्मा एक है।₹ सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलानुशासक व आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने कहा, ₹लोक और जनजातीय साहित्य मूक वाणी की मुखर अभिव्यक्ति है, जिसमें जीवन के सुख-दुख और श्रम का विविधायामी चित्रण है। आयोजन में पद्मश्री कालूराम बामनिया ने कबीर गायन प्रस्तुत किया। कला विदुषी डॉ. उमा जोशी ने पंचतंत्र पर केंद्रित लघु चित्रों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। प्रज्ञा प्रवाह की ओर से डॉ. डी डी बेदिया ने अतिथियों का स्वागत किया।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 650 से अधिक मरीजों का किया निशुल्क परीक्षण

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

एपिक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल अहमदाबाद, माधव सेवा न्यास और लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास ने लोकमान्य तिलक विद्यालय परिसर में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 650 से अधिक लोगों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से परीक्षण कराकर निशुल्क परामर्श का लाभ लिया। शिविर के संयोजक डॉ. सुशील गुप्ता और सह संयोजक अनिल तेजनकर व दिलीप झंवर ने बताया कि कुल 650 लोगों में से 400 हृदय रोग और 250 अन्य रोगों से संबंधित मरीज थे। विशेषज्ञों ने परीक्षण कर सभी को उचित परामर्श दिया। शिविर में मरीजों को डायबिटीज की निशुल्क जांच और हृदय रोग से जुड़ी दवाइयां मुफ्त दी गईं।

खड़े हनुमान के दर्शनों के लिए उमड़ पड़े भक्त

बैरिकेड्स हटने और दर्शन की राह सुगम होने से श्रद्धालुओं में खासा हर्ष रहा

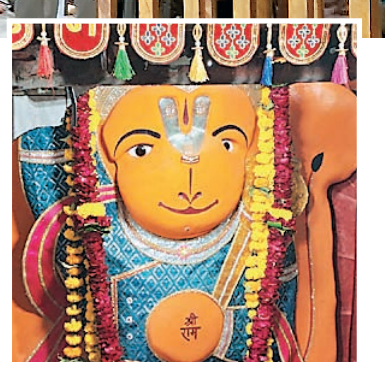
ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

शहर को जल्द से जल्द पटरी पर लाकर जनजीवन सामान्य करने की प्रशासनिक कवायद के बीच सोमवार को पुराने शहर के बाजारों में फिर से चहल-पहल लौटती दिखाई दी। चौड़ीकरण और पत्थरबाजी की घटना के बाद पिछले सात दिनों से बाजारों में पसरे सन्नाटे के बीच प्रशासन ने सोमवार सुबह बैरिकेड्स हटवाकर आवागमन सुचारू करने की शुरूआत की।

सतीगेट के आगे से बैरिकेड्स हटाए जाने के बाद श्रद्धालु बेरोकटोक अपने इष्ट खड़े हनुमानजी के दर्शन के लिए पहुंचने लगे। शाम होते-होते मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लंबे अंतराल के बाद भक्त बाबा के समीप पहुंचकर दर्शन और प्रार्थना करते नजर आए। मंदिर में आस्था का अलग ही नजारा देखने को मिला। कुछ श्रद्धालु अपने बच्चों को पंडितजी से झाड़नी दिलवाते दिखाई दिए, वहीं कुछ लोग नजर दोष से बचाव के लिए तावीज-डोरे लेते नजर आए।



बाजार के अन्य हिस्सों में जहां अभी भी सन्नाटे का असर दिखाई दे रहा था, वहीं खड़े हनुमान मंदिर के आसपास श्रद्धालुओं की आवाजाही से रौनक और चहल-पहल बनी रही। बैरिकेड्स हटने और दर्शन की राह सुगम होने से श्रद्धालुओं में खासा हर्ष रहा। भक्तों का कहना था कि अब वे प्रतिदिन अपने इष्ट के दर्शन सुचारू रूप से कर सकेंगे। प्रशासन की इस पहल से पुराने शहर के बाजारों में भी धीरे-धीरे सामान्य स्थिति लौटने की उम्मीद जगी है।



अग्रोहा महिला विकास ट्रस्ट का 'गरबा नाईट और फैशन शो' आज

मंगलनाथ रोड स्थित सुरभि गार्डन में 6 अक्टूबर की शाम 7 बजे से मनेगा गरबा महोत्सव

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

अग्रोहा महिला विकास ट्रस्ट द्वारा शहर में 'डीजे गरबा नाईट और फैशन शो' का भव्य आयोजन आज 6 अक्टूबर को शाम 7 बजे से किया जाएगा। यह रंगारंग कार्यक्रम मंगलनाथ रोड स्थित सुरभि गार्डन में आयोजित होगा। इस महोत्सव में गरबा प्रतियोगिता के साथ-साथ फैशन शो आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेगा।

कार्यक्रम में ग्रुप गरबा प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें 6 से 10 प्रतिभागियों का ग्रुप हिस्सा ले सकेगा। ग्रुप गरबा के कुल दो राउंड होंगे। वहीं, गरबा फैशन शो तीन राउंड में संपन्न होगा। शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों के लिए प्रथम पुरस्कार 2100 रुपये और द्वितीय पुरस्कार 1100 रुपये रखा गया है। इसके साथ ही हिस्सा लेने वाले प्रत्येक ग्रुप को प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिया जाएगा।

सास-बहू और कपल गरबा रहेगा खास

आयोजन में मुख्य प्रतियोगिताओं के अलावा अन्य कई विशेष आकर्षण भी शामिल किए गए हैं। इनमें बेस्ट कपल गरबा, बेस्ट सास-बहू गरबा, बेस्ट प्रिंस और बेस्ट प्रिंसेस का चयन किया जाएगा। प्रतियोगियों के लिए गरबा ड्रेस पहनना अनिवार्य किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर दर्शकों और प्रतिभागियों के लिए स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल भी उपलब्ध रहेंगे। आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता के संबंध में निर्णायकों का निर्णय ही अंतिम मान्य होगा।

पदाधिकारियों ने संभाली व्यवस्था

अग्रोहा महिला विकास ट्रस्ट की अध्यक्ष संगीता अग्रवाल और सचिव शीला अग्रवाल के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सरोज अग्रवाल, तृप्ति मित्तल, हेमलता गुप्ता और अनिता गोयल को संयोजक बनाया गया है।

उज्जैन
मंगलवार
06
अक्टूबर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

धर्मज्ञो धर्मकर्ता च सदा धर्मपरायणः।
तत्त्वेभ्यः सर्वशास्त्रार्थादेशको गुरुरुच्यते।।
अर्थः धर्म को जाननेवाले, धर्म मुताबिक आचरण करनेवाले, धर्मपरायण, और सब शास्त्रों में से तत्त्वों का आदेश करनेवाले गुरु कहे जाते हैं।

खबर एक नजर...

6 जिलों में 27 के खिलाफ केस चलाने की अर्जी

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस के सामने रिश्वत की शिकायत कर सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों को रंगेहाथ पकड़वाने वाले 27 शिकायतकर्ता बाद में अदालत में अपने ही आरोपों से पलट गए। लोकायुक्त ने इन्हें पक्षद्रोही मानते हुए अब इनके खिलाफ ही केस चलाने के लिए विशेष अदालतों में अर्जी दायर की है। इंदौर, धार, झाबुआ, बड़वानी, बुरहानपुर और आलीराजपुर की अदालतों में ऐसे मामले लंबित हैं। लोकायुक्त एसपी डॉ. राजेश सहाय के अनुसार इंदौर में सबसे ज्यादा 9 मामले हैं। धार में 8, झाबुआ में 6, बड़वानी में 2 और बुरहानपुर और आलीराजपुर में एक-एक मामला है। इनमें पटवारी, पुलिसकर्मी, पंचायतकर्मी, वन और विद्युत विभाग के कर्मचारियों समेत कई अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। इसमें अधिकांश मामले भ्रष्टाचार के हैं। एक मामले में अदालत शिकायतकर्ता कमलसिंह चौहान को सजा और अर्थदंड भी दे चुकी है।

बंटी का 20 लोगों से करोड़ों का लेनदेन था, पुलिस को सौंपे नाम

इंदौर। रियल एस्टेट कारोबारी बंटी उर्फ संदीप नागर की आत्महत्या में नए एंगल सामने आ रहे हैं। बड़े भाई राकेश ने कानूनी सलाहकारों से जानकारी लेने के बाद पलासिया टीआई सुरेंद्र सिंह को 20 लोगों के नाम सौंपे हैं। उनका कहना है कि ये वे लोग हैं, जिनसे बंटी लगातार संपर्क में थे। बंटी ने काफी लोगों से रुपया ब्याज पर लेकर रियल एस्टेट के 7 प्रोजेक्ट में लगाया है। अब पुलिस पूछताछ के लिए इन सभी को बुलाएगी। टीआई सुरेंद्र सिंह ने बताया अभी तक राकेश के साथ ड्राइवर और ऑफिस के तीन कर्मचारियों के बयान हो चुके हैं। राकेश ने इतना ही बताया कि भाई कमीटमेंट के पक्के थे। उन्हें किसी को रुपया लौटाना होता था तो वे तय समय से पहले लौटा देते थे। भाई राकेश ने कहा- वे अपने प्रोजेक्ट समय पर पूरा कर देते थे। ब्याज पर रुपए का जिक्र भी बंटी ने परिवार में नहीं किया। हालांकि दिल्ली से आने के बाद वे अजीज दोस्तों से भी दूर रहने लगे थे। हमें तो कर्ज देने वालों का रुपया लौटाने का दबाव ही आत्महत्या का कारण लग रहा है।

सफाई कर्मियों की 5 दिन की हड़ताल शुरू स्थायी नियुक्ति मांगी

इंदौर। नियमितीकरण, समान काम का समान वेतन और अन्य मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों ने सोमवार को काम बंद कर नगर निगम कार्यालय में प्रदर्शन किया। सुबह करीब 11.30 बजे बड़ी संख्या में कर्मचारी निगम पहुंचे और जमीन पर बैठकर नारेबाजी की। कर्मचारी मांग कर रहे थे कि निगम आयुक्त बाहर आकर बात करें। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन में सफाई मित्र महिलाओं ने भी नारेबाजी की। कुछ महिलाओं ने हाथों से चूड़ियां निकालकर निगम कार्यालय के गेट पर फेंक दी। कर्मचारियों ने निगम कमिश्नर बाहर आकर बात करो, कमिश्नर इस्तीफा दो और जातिवाद बंद करो... जैसे नारे लगाए। कर्मचारियों का कहना था कि वे वर्षों से निगम में काम कर रहे हैं, लेकिन नियमितीकरण सहित उनकी मूल समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ है। हमें भी नियमित किया जाए। वाल्मीकि सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर संतोष कल्याणे ने कहा- प्रदेशभर में पांच दिन की हड़ताल का आह्वान किया गया है। सोमवार को कर्मचारियों ने काम बंद रखा। उन्होंने बताया जानकारी नहीं होने के कारण करीब 10 प्रतिशत कर्मचारी ड्यूटी पर चले गए थे। सफाई मित्र माया पथरोड ने बताया वे 20 साल से निगम में काम कर रही हैं, लेकिन अब तक नियमित नहीं किया गया। खजराना से गौरीनगर काम करने जाती हैं।

सॉफ्टवेयर डेवलपर ने ठगों को बेचे 2,805 एप

इंदौर। इंदौर का 36 वर्षीय सॉफ्टवेयर डेवलपर पंकज अवधेश गुप्ता देशभर के साइबर ठगों के लिए खतरनाक एप बनाकर बेच रहा था। मुंबई क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि उसने 2,805 एपीके फाइलें साइबर ठग गिरोहों को बेचीं। इनसे देशभर में 9,673 लोगों को निशाना बनाया गया और अब तक 15.75 करोड़ की ठगी सामने आ चुकी है। पुलिस को आशंका है कि वास्तविक ठगी 150 करोड़ से ज्यादा हो सकती है। पंकज इंजीनियरिंग की पढ़ाई दूसरे साल में छोड़ चुका है।

इंदौर के नाले में महिला-बच्ची गिरी, अब जागा निगम

इंदौर। सनसिटी से भवंस स्कूल की ओर जाने वाली मास्टर प्लान सड़क पर महिला और बच्ची के दोपहिया वाहन समेत खुले नाले में गिरने की घटना के बाद नगर निगम हरकत में आया है। सोमवार को अपर आयुक्त (ड्रेनेज) आशीष ने अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सड़क किनारे बह रहे खुले नाले के दोनों ओर जल्द रिटेनिंग वॉल बनाने का आश्वासन दिया। इसका निर्माण एपेक्स एलाइट टाउनशिप के निर्माणकर्ताओं द्वारा कराया जाएगा। जोनल अधिकारी प्रकाश नागर ने बताया कि नाले के दोनों ओर रिटेनिंग वॉल बनाने का काम पहले से प्रस्तावित है और इसके लिए आवश्यक कार्रवाई जारी है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लकवे के बाद जकड़े हाथ-पैरों में लौट रही हरकत, डॉक्टर बोले- इंटरनेट के झांसे में न आएं

लाखों का बोटोक्स ट्रीटमेंट इंदौर के एमवाय में मुफ्त

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंटरनेट मीडिया पर बोटोक्स को लेकर तरह-तरह के दावे वायरल हो रहे हैं। कहीं इसे लकवे का इलाज बताया जा रहा है तो कहीं कुछ घंटे या दो दिन में हाथ-पैरों की हरकत पूरी तरह लौट आने का दावा किया जा रहा है।

लेकिन, इंदौर में स्ट्रोक या लकवे के बाद हाथ-पैरों में होने वाली स्पास्टिसिटी यानी मांसपेशियों के असामान्य कड़ापन से परेशान पात्र मरीजों को एमवाय अस्पताल में बोटुलिनम टॉक्सिन (बोटोक्स) का उपचार निःशुल्क दिया जा रहा है। निजी अस्पतालों में महंगा पड़ने वाला यह उपचार आयुष्मान योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। अस्पताल में अब तक 1000 से अधिक मरीज इसका लाभ ले चुके हैं। विशेषज्ञों के अनुसार बोटोक्स लकवे का इलाज नहीं है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से लकवे के बाद





विकसित होने वाली स्पास्टिसिटी को कम करने के लिए किया जाता है।

स्पास्टिसिटी से हाथ मुट्ठी की तरह बंद, पैर जमीन पर रखने में परेशानी- स्ट्रोक के बाद कुछ मरीजों में प्रभावित हिस्से की मांसपेशियां समय के साथ असामान्य रूप से सख्त होने लगती हैं। इसे स्पास्टिसिटी कहा जाता है। ऐसे मरीजों में हाथ लगातार मुड़ा रह सकता है, उंगलियां मुट्ठी की तरह बंद हो सकती हैं और कोहनी सीधी करने में परेशानी हो सकती है। पैरों में कड़ापन बढ़ने पर पैर सामान्य तरीके से जमीन पर नहीं पड़ता, जिससे चलने में परेशानी हो सकती है। कई बार यह कड़ापन फिजियोथेरेपी और रोजमर्रा के कामों में भी बाधा बनता है। ऐसे चुनिंदा मरीजों में विशेषज्ञ बोटुलिनम टॉक्सिन का इस्तेमाल करते हैं।

मरीज बोले- यहां आकर पता चला बोटोक्स मुफ्त है- एमवाय अस्पताल में उपचार करा रहे एक मरीज ने बताया कि उसे पहले जानकारी नहीं थी कि यहां बोटोक्स की सुविधा निशुल्क उपलब्ध है। लकवे के बाद हाथ ठीक से नहीं उठता था और पैर से चलने में भी परेशानी थी। अलग-अलग जगह इलाज कराने के बाद एमवाय अस्पताल में बोटोक्स लगाया गया। इसके बाद हाथ में कुछ हरकत आने लगी और चलने में भी सुधार महसूस हुआ। मरीज ने कहा कि यदि इस सुविधा की जानकारी पहले होती तो इलाज के लिए अलग-अलग जगह भटकना नहीं पड़ता। सरकारी अस्पताल में उपचार निशुल्क मिलने से मरीज और परिवार पर इलाज का आर्थिक बोझ भी कम होता है। एक महिला ने बताया कि उसके पिता को दिसंबर 2025 में लकवा आया था। इसके बाद उनका हाथ ठीक से नहीं उठता था।

प्रभावित मांसपेशी की पहचान के बाद लगाया जाता है इंजेक्शन

डॉ. मोनिका पोरवाल बागुल मरीज की जांच कर यह देखती हैं कि किस मांसपेशी में असामान्य खिंचाव या कड़ापन है। इसके बाद जरूरत के अनुसार उन्हीं चुनिंदा मांसपेशियों में बोटोक्स लगाया जाता है। इसका उद्देश्य मांसपेशियों की अत्यधिक सक्रियता को अस्थायी रूप से कम करना होता है। बोटोक्स का असर स्थायी नहीं होता। मरीज की स्थिति, मांसपेशियों की प्रतिक्रिया और स्पास्टिसिटी की गंभीरता के आधार पर कुछ मरीजों को तीन से छह महीने बाद दोबारा उपचार की जरूरत पड़ सकती है। हालांकि, हर मरीज को तय अंतराल पर दोबारा इंजेक्शन लगाना जरूरी नहीं है।

---

36 मौतों वाले भागीरथपुरा कांड में जांच रिपोर्ट, टेंडर में देरी, इंजीनियरिंग से मॉनिटरिंग तक लापरवाही

एक्सपर्ट बोले-दोष साबित होने पर कठोर सजा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड की एक सदस्यीय जांच आयोग की अंतिम रिपोर्ट ने घटना को किसी एक अधिकारी की गलती नहीं, बल्कि सालों से चली आ रही तकनीकी और प्रशासनिक लापरवाहियों का परिणाम माना है। रिपोर्ट में इंजीनियरिंग, पाइप लाइन मेंटेनेंस, मॉनिटरिंग और टेंडर प्रक्रिया के अलग-अलग स्तरों पर जिम्मेदारी सामने आई है।

रिपोर्ट के आधार पर लीगल एक्सपर्टस का मानना है कि जिन अधिकारियों-कर्मचारियों की लापरवाही जांच में सामने आई है, उनके खिलाफ अब केवल विभागीय कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इनमें कठोर धाराओं में केस दर्ज होने के बाद कड़ी सजा का प्रावधान है।

संजीव श्रीवास्तव : समय पर क्षतिग्रस्त पाइप लाइन बदलवाने की थी जिम्मेदारी- आयोग ने सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर संजीव कुमार श्रीवास्तव की भूमिका पर विशेष टिप्पणी की है। वे 2013 से 2026 तक संबंधित व्यवस्था में पदस्थ रहे। आयोग के अनुसार, पाइपलाइनों की नियमित जांच, लीकेज की पहचान, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस और समय पर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन बदलना उनकी जिम्मेदारी थी। रिपोर्ट में इन स्तरों पर



कमी के साथ पाइपलाइन रिप्लेसमेंट की प्रक्रिया में करीब 600 दिन की देरी का उल्लेख है। टेंडर प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को मिलाकर आयोग ने 859 दिन से अधिक की असामान्य देरी भी दर्ज की है।

टेंडर शाखा के ये दो कर्मचारी जिम्मेदार- आयोग ने प्राग्य तिवारी, असिस्टेंट ग्रेड-III और नीति चौरसिया खरे, सब-इंजीनियर को टेंडर शाखा से जुड़े कार्यों में हुई देरी के लिए जिम्मेदार माना है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जहां फाइल उच्च अधिकारियों के स्तर पर लंबित रही, वहां उनकी भूमिका भी अलग से देखी जानी चाहिए।

रोहित सिसोनिया: कुछ टेंडर चरणों में समय लगा, लेकिन वित्तीय बोली की मंजूरी में दो दिन की अवधि को आयोग ने महत्वपूर्ण देरी नहीं माना।

आशीष पाठक: छडअ मंजूरी में चार दिन की अवधि को आयोग ने सामान्य प्रशासनिक समय माना।

निगम कमिश्नर दिलीप कुमार यादव: आयोग ने घटना और टेंडर देरी की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी से मुक्त किया।

लीकेज से लेकर दूषित पानी तक की जानकारी थी, फिर भी नहीं रुकी लापरवाही

जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि जिम्मेदार अधिकारियों को पाइपलाइन में लीकेज, बदबू और पानी में बैक्टीरिया की मौजूदगी की जानकारी थी। इसके बावजूद समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। रिपोर्ट में तत्कालीन अपर कमिश्नर भव्या मित्तल और रोहित सिसोनिया, प्रभारी असिस्टेंट इंजीनियर सरोज कुमार प्रजापति, सब इंजीनियर शुभम श्रीवास्तव, असिस्टेंट इंजीनियर योगेश जोशी तथा टेंडर शाखा की प्रज्ञा तिवारी और नीति चौरसिया की भूमिका को जिम्मेदारी के दायरे में रखा गया है। रिपोर्ट में 2019 की मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की पानी जांच रिपोर्ट को भी अहम माना गया है। कई नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिले थे। आयोग ने 1990-95 के दौरान बिछाए गए सीवरेज नेटवर्क और 1999-2004 के बीच बिछाई गई पेयजल पाइपलाइन व्यवस्था को भी घटना की महत्वपूर्ण कड़ी माना है। कई स्थानों पर दोनों लाइनें निर्धारित तकनीकी मानकों के विपरीत एक-दूसरे के करीब या क्रॉसिंग में मिलीं। इससे सीवरेज का पानी पेयजल लाइन में पहुंचने का खतरा बना रहा।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20

10 अक्टूबर को दोपहर तक इंदौर पहुंचेंगी दोनों टीमें

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को होने वाले भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मुकाबले को लेकर दोनों टीमों का शेड्यूल बेहद टाइट है। इसी के चलते दोनों टीमों के ज्यादातर खिलाड़ी होलकर स्टेडियम में नेट प्रैक्टिस करते नजर नहीं आएंगे। मैच के लिए क्यूरेटर और ग्राउंड स्टाफ मैदान तैयार करने में जुटे हैं।

दोनों टीमें 10 अक्टूबर को दोपहर में इंदौर पहुंचेंगी। एयरपोर्ट से टीम इंडिया होटल मैरियट और वेस्टइंडीज की टीम रेडिसन होटल पहुंचेगी। एक दिन पहले रांची में मैच खेलने और फिर सफर की थकान के कारण 10 तारीख की शाम को खिलाड़ियों के लिए किसी भी तरह का प्रैक्टिस सेशन मुश्किल है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट भी खिलाड़ियों को मैदान पर पसीना बहाने के बजाय होटल में आराम देने पर जोर देगा। प्रैक्टिस सेशन का शेड्यूल नहीं होने से होलकर स्टेडियम के मुख्य मैदान पर नेट्स नहीं लगाई जाएंगी। 11 अक्टूबर को मैच वाले दिन भी टीमें भारी अभ्यास के बजाय हलका वार्म-अप करेंगी। हालांकि, एमपीसीए ने इंतजाम किया है कि अगर कोई खिलाड़ी अपनी इच्छा से प्रैक्टिस करना चाहेगा, तो वह स्टेडियम के एकेडमी एरिया में अभ्यास कर सकेगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा चुकी है। अब टी-20 सीरीज जारी है। भारत-वेस्टइंडीज के बीच चल रही इस टी-20 सीरीज का कार्यक्रम शुरू से ही काफी कड़ा रहा है। सीरीज का पहला टी-20 मुकाबला 6 अक्टूबर को लखनऊ में, दूसरा मुकाबला 9 अक्टूबर को रांची में खेला जाएगा। एक दिन बाद 11 अक्टूबर को इंदौर में तीसरा मैच है।



जेल से छूटे आरोपी ने मुखबिरी में युवक पर चाकू से किए 6 वार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

द्वारकापुरी क्षेत्र में जेल से छूटे हत्या के आरोपी रेवाराम ने रविवार रात बदमाश लखन (22) पर चाकू से 6 वार कर जान लेने की कोशिश की। लखन को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती किया है। मामले में गुंडे पर पुलिस ने सिर्फ अड़ीबाजी का केस दर्ज किया है। बताते हैं हमला करने वाले गुंडे पर 20 अपराध दर्ज हैं। व्यापारी अतुल कांकाणी व एक चौकीदार की हत्या में ये जेल में था। महीनेभर पहले ही जमानत पर बाहर आया और ड्रग्स तस्करी करने लगा। चाकूबाजी के बाद पुलिस को छकाकर भाग निकाला। टीआई मनीष मिश्रा ने बताया, घायल लखन की रिपोर्ट पर रेवाराम के खिलाफ अड़ीबाजी कर चाकू से हमले का केस दर्ज किया है। उसकी तलाश में टीमें लगाई हैं। गुंडा रेवाराम कुख्यात तस्कर सीमा नाथ, महेश टोपी, शुभम नाथ के लिए एमडी की तस्करी करता है। सीमा, शुभम को क्राइम ब्रांच पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इनके यहां से नोट गिनने की मशीन मिली थी। इसी इलाके में एक गिरोह शुभम नेपाली का भी चलता है। इन गैंग पर थाने का नियंत्रण दिखता नहीं है। बीट के जवान संपर्क में रहने के बाद भी इन पर नियंत्रण नहीं रख पाते।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का मिला उल्लंघन, दूसरे 6 प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई

इंदौर के होटल शेरेटन पर 2.50 लाख का स्पॉट फाइन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर नगर निगम ने शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन हो इसके लिए लगातार दौरा और कार्रवाई की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों और प्रतिष्ठानों के खिलाफ स्पॉट फाइन किया जा रहा है।

अपर आयुक्त प्रखर सिंह के निर्देश पर जोन 22, वार्ड 36, बायपास क्षेत्र में स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान शेरेटन होटल ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया।

होटल में उत्पन्न होने वाले गीले कचरे का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उचित निपटान नहीं मिलने और परिसर में



उपलब्ध ओडब्ल्यूसी मशीन के माध्यम से गीले कचरे से खाद तैयार नहीं किया जाना पाया गया। साथ ही गीले कचरे का अवैधानिक तरीके से निपटान किए जाने की स्थिति भी सामने आई। अनियमितताओं के चलते नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत शेरेटन होटल पर 2 लाख 50 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया। कार्रवाई के समय सीएसआई विकास कुमार मिश्रा, सीएसआई जोन 22 अनिकेत सिंह, एआरओ जोन 22 सलमान खान आदि मौजूद थे। शहर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने और संबंधित नियमों का अनिवार्य रूप से पालन कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा निरंतर निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में रेन वाटर हार्वेस्टिंग नियमों के पालन में लापरवाही करने वाले 6 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान श्री अष्टविनायक सोया प्रोडक्ट, सेक्टर-ए, बजरंगपुरा नाले के पास पर 1,11,000, रेहान मेटल ट्रेडर्स पर 10,000, श्री पेपर इंडस्ट्री पर 5,000, न्यू अपेक्स इंजीनियरिंग पर 5,000, पालीवाल इंडस्ट्रीज पर 5,000 तथा रोहित ट्रेडर्स पर 2,000 की चालानी कार्रवाई की गई।

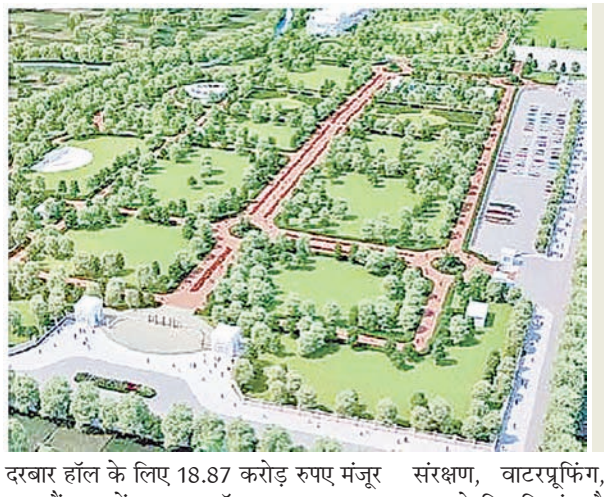
सिंहस्थ-2028 के लिए इंदौर को उज्जैन और ओंकारेश्वर के बीच महत्वपूर्ण

लालबाग का 50 प्रतिशत तो राजबाड़ा दरबार हॉल का काम 65 फीसदी पूरा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

सिंहस्थ-2028 के लिए इंदौर को उज्जैन और ओंकारेश्वर के बीच महत्वपूर्ण सेतु माना जा रहा है, लेकिन शहर में सिंहस्थ के नाम पर दो ही प्रमुख प्रोजेक्ट स्वीकृत हैं। इनमें लालबाग पैलेस के रेस्टोरेशन व गार्डन रीडेवलपमेंट का काम 50% और राजबाड़ा के दरबार हॉल के संरक्षण व विकास का 65% काम हो चुका है। राजबाड़ा के एक हिस्से में कुछ काम पहले ही हो चुके हैं, वहीं लाल बाग में लाल पत्थरों से नक्काशी, बाउंड्रीवॉल का काम चल रहा है। दोनों प्रोजेक्ट की डेडलाइन अगले साल की है।

राजबाड़ा में दरबार हॉल में संरक्षण से लेकर आधुनिक सुविधा तक- राजबाड़ा के



दरबार हॉल के लिए 18.87 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। इसमें दरबार हॉल का पुनरुद्धार, संरक्षण, वाटरप्रूफिंग, लिफ्टिंग-इमिटेशन, दरवाजे-खिड़कियां और सीढ़ीयों का काम, एचवीएसी और फायर फाइटिंग सिस्टम के साथ इमर्सिव डिजिटल अनुभव विकसित किया जाना है। इसका 65% काम हो चुका है और संभावित डेडलाइन 5 फरवरी 2027 है।

महेश्वर का अहिल्या लोक

सिंहस्थ से जुड़े संभागीय प्रोजेक्ट में महेश्वर का अहिल्या लोक सबसे बड़ा काम है। 109.83 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट में उपयोगिता ब्लॉक, प्रवेश प्रांगण, एआर/वीआर घाट, भारत मानचित्र की प्रतिकृति, 500 लोगों की क्षमता वाला ओपन एयर एम्फीथिएटर आदि रहेंगे। 15% काम ही हुआ है।

पर्यटक दोनों ज्योतिर्लिंग जाएंगे

सिंहस्थ-2028 में जिस तरह पर्यटकों के आने की कवायद की जा रही है, उसमें इंदौर सेतु की भूमिका में है। यहीं से अधिकांश पर्यटक दोनों ज्योतिर्लिंग जाएंगे। इन दोनों धार्मिक स्थलों के बाद पर्यटन की दृष्टि से महेश्वर ही सबसे अहम है। इंदौर में सिंहस्थ के नाम पर स्वीकृत दोनों कामों की लागत मिलाकर 66.46 करोड़ रुपए है।

लाल बाग में देवी अहिल्याबाई आत्मरक्षा केंद्र बनेगा

कुल 47.59 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट में प्रवेश द्वार और बाउंड्रीवॉल, कंजर्वेटरी, लैंडस्केप गार्डन, पार्किंग व पाथ-वे, बाहरी विद्युतीकरण, सीसीटीवी, जनसुविधाएं, देवी अहिल्याबाई आत्मरक्षा केंद्र और एम्फीथिएटर जैसे काम शामिल हैं। प्रोजेक्ट के तहत 50% काम हो चुका है और संभावित डेडलाइन 1 मई 2027 है। अभी आधे काम बाकी हैं।

खबर एक नजर...

रामघाट पर 166 अज्ञात मृतकों का किया तर्पण

उज्जैन। श्राद्ध पक्ष की दशमी तिथि पर रामघाट स्थित शिप्रा नदी के तट पर समाजसेवी अनिल डागर ने 166 लावारिस और अज्ञात लाशों का तर्पण व पिंडदान किया। मोक्ष प्राप्ति की कामना के साथ किए गए इस सामूहिक अनुष्ठान में उत्तम गुरु और उनकी मंडली ने विधि-विधान से कर्मकांड संपन्न कराया। जिन लोगों का इस दुनिया में कोई नहीं होता और जिनका अंतिम संस्कार लावारिस स्थिति में किया जाता है, उनकी आत्मा की शांति के लिए यह आयोजन किया गया। अनिल डागर पिछले 45 वर्षों से लावारिस और अज्ञात लाशों का अंतिम संस्कार व तर्पण करते आ रहे हैं। अब तक वे करीब 21 से 22 हजार शवों का कर्मकांड कर चुके हैं। इनमें एड्स, कैंसर, टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से जान गंवाने वालों के अलावा दुर्घटनाओं, हत्या और नेपाल त्रासदी के मृतकों के शव भी शामिल हैं। जिन शवों का कोई वारिस नहीं होता या जिनकी शिनाख्त नहीं हो पाती, पुलिस उन्हें डागर को सौंप देती है, जिसके बाद वे अपने निजी खर्च पर उनका अंतिम संस्कार करते हैं।

29 सितंबर का आदेश, सूची दबाकर सिंडिकेट चला रहा खेल

मंदसौर। जिले में पटवारियों के ट्रांसफर का सिंडिकेट चल रहा है। इसमें रुपए दो-पसंद की पोस्टिंग पाओ का ऑफर है। एक पटवारी के तबादला आदेश के एवज में 60 से 70 हजार रुपए की रकम तय है। खास बात ये है कि ट्रांसफर की पूरी सूची सार्वजनिक होने से पहले ही कथित तौर पर कुछ लोग रुपए लेकर पसंद की पोस्टिंग दिलाने का दावा कर रहे हैं जो राजस्व विभाग से हैं। जिला प्रशासन के आदेश को दबाकर चुनिंदा पटवारियों को स्क्रीनशॉट भेजने के मामले ने पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक इसमें पर्दे के पीछे राजस्व शाखा के वरिष्ठों से लेकर कुछ पटवारी भी बताए जा रहे हैं। ऑर्डर पर कलेक्टर के हस्ताक्षर 6 पटवारियों के तबादले- जो स्क्रीनशॉट पटवारियों को मैसेज के तौर पर भेजे जा रहे उसमें कार्यालय कलेक्टर जिला मंदसौर का आदेश क्रमांक 2005 भूसं प्रस्था 2026 का होकर 29 सितंबर 2026 की तारीख में जारी हुआ।

शिक्षक को पेड़ से बांधा, रस्सी से पीटा, रो-रोकर छोड़ने की गुहार लगाता रहा

रतलाम। रतलाम में अतिथि शिक्षक को पेड़ से बांधकर चांटे मारे, रस्सी से पीटा। वह रो-रोकर छोड़ने की गुहार लगाता रहा, लेकिन ग्रामीण नहीं पसीजे। ग्रामीणों का आरोप है कि अतिथि शिक्षक योगेंद्र जाटव ने नाबालिग छात्रा को बहाने से बुलाया। फिर झोपड़ी में ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़ की। छात्रा के शोर मचाने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शिक्षक को पकड़ लिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे छुड़ाया। वारदात ताल थाना इलाके में 3 अक्टूबर की है, इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया है। योगेंद्र जाटव (21) मुरैना में शेरपुर गांव का रहने वाला है। फिलहाल, रतलाम के खारवाकला में किराये के मकान में रहता है। पास के गांव पिपल्या तुखार के शासकीय प्राथमिक स्कूल में अतिथि शिक्षक है। शिक्षक योगेंद्र जाटव ने भी थाने में मारपीट और धमकी देने की शिकायत की है। इसमें बताया है कि वह 3 अक्टूबर की दोपहर करीब 1.30 बजे स्कूल से लंच के समय अपनी पहचान की लड़की से मिलने गया था। करीब 2.45 बजे खारवा की एक कोठड़ी के पास दो लोगों ने उसे रोक लिया। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए पूछा कि वह उनके गांव की लड़की से मिलने क्यों आया है?

मानसून की विदाई के बाद भी सिंगरौली में बारिश

सिंगरौली। सिंगरौली में मानसून की विदाई के बाद भी बारिश का दौर जारी है। जिले के कई हिस्सों में बादल छाने के साथ हल्की बारिश हो रही है। इससे दिन के तापमान में गिरावट आई है। सोमवार को अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री था, जो मंगलवार को 32.6 डिग्री रहने का अनुमान है। बैढ़न, विंध्यनगर, मोरवा, जयंत, बरगवां, माड़ा, देवसर, चितरंगी, जियावन और लंघाडोल समेत कई इलाकों में मौसम बदला हुआ है। 29 सितंबर तक जिले में करीब 43.2 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी थी। बारिश से खेतों में नमी बनी हुई है, जिससे धान, मक्का समेत अन्य खरीफ फसलों को फायदा मिल सकता है। हालांकि, पक चुकी धान की फसल के लिए लगातार बारिश नुकसानदायक हो सकती है। खेतों में पानी भरने से फसल खराब होने का खतरा भी बढ़ सकता है। 7 अक्टूबर को फिर बारिश की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में किसानों को मौसम साफ होते ही पक चुकी धान की कटाई और फसल के सुरक्षित भंडारण पर ध्यान देना होगा।

चंबल से 8 किमी दूर गांव में पहुंचा मगरमच्छ, ग्रामीणों ने रस्सी से पोल पर बांधा

भिंड। भिंड अटेर क्षेत्र के सालमपुर गांव में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब चंबल नदी से निकलकर करीब 8 किलोमीटर दूर पहुंचा मगरमच्छ एक घर के पास दिखाई दिया। मगरमच्छ को देखते ही ग्रामीणों में दहशत फैल गई। लोगों ने मिलकर उसे घेरा और काफी मशक्कत के बाद काबू कर लिया।

इस मानसून 52% तक कम पानी गिरा; फील्ड सर्वे और ग्राउंड वेरिफिकेशन कराएगी सरकार

इंदौर-उज्जैन समेत मध्यप्रदेश के 11 जिलों में सूखा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन





मध्य प्रदेश के 11 जिले कमजोर मानसून की वजह से सूखे की चपेट में हैं। इनमें इंदौर और उज्जैन भी शामिल हैं। आलीराजपुर, धार और झाबुआ उन टॉप-5 जिलों में हैं, जहां सबसे कम बारिश हुई है। इनमें आलीराजपुर सबसे नीचे है, जहां 52% कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। ऐसे में यहां पेयजल के साथ फसलों की पैदावार बुरी तरह से प्रभावित होगी।

11 में से 9 जिले ऐसे हैं, जो 'सूखाग्रस्त' के पैमाने पर आ रहे हैं। इनमें इंदौर, उज्जैन, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, रतलाम, झाबुआ, धार और आलीराजपुर हैं। शाजापुर और पांढुर्णा में सिर्फ 3% का अंतर है। पांढुर्णा में एक दिन पहले किसान, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अपनी सूखी फसलें दिखा चुके हैं। 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. यादव पांढुर्णा पहुंचे थे। तब उनका काफिला किसानों ने रोक लिया था। हाथों में सूखी और मुरझाई फसलें लेकर पहुंचे किसानों ने जिले को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित करने और कृषि कर्ज माफ करने की मांग की थी। स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री गाड़ी से नीचे उतरे और किसानों की समस्याएं सुनी थीं। अन्य जिलों में भी ऐसे ही हालात बन रहे हैं। सोयाबीन, मूंग, मक्का समेत अन्य खरीफ फसलों को नुकसान हुआ है। वहीं, आगामी रबी सीजन में पानी को लेकर दिक्कतें बढ़ सकती है।

मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक बताते हैं कि सामान्य से 26 प्रतिशत बारिश कम होने पर सरकार जिले को सूखाग्रस्त घोषित करती है। इस बार

मप्र के ऊपर चक्रवात...आज से 4 दिन बारिश

मध्य प्रदेश के ऊपर हिस्से में साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) की एक्टिविटी है। इस वजह से जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले 4 दिन बारिश होने का अनुमान है। इंदौर और भोपाल में दिन में तेज धूप और रात में ठंडक रहेगी। मौसम केंद्र भोपाल के मुताबिक, मंगलवार को पन्ना, सतना, रीवा, मैहर, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और शहडोल में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है। 7 और 8 अक्टूबर को भी यहां बारिश हो सकती है। इंदौर में रात का तापमान सबसे कम प्रदेश से 3 अक्टूबर को ही मानसून लौट चुका है, लेकिन चक्रवात, पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। हालांकि, दिन में तेज धूप खिल रही है। इससे अधिकतम तापमान 37 डिग्री से ऊपर चल रहा है। दूसरी ओर, रात में ठंडक बढ़ गई है। बीती रात इंदौर में सबसे कम 17.2 डिग्री, बैतूल में 17.5 डिग्री, छिंदवाड़ा में 17.6 डिग्री, पचमढ़ी में 18 डिग्री और अमरकंटक में 18.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में लगा छात्रवृत्ति तकनीकी सहयोग शिविर

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत विद्यार्थियों की पोर्टल संबंधी समस्याओं का हुआ निराकरण

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 5 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय में छात्रवृत्ति प्रदाय हेतु विशेष तकनीकी सहयोग शिविर लगा। प्राचार्य डॉ. कल्पना वीरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में विद्यार्थियों की पोर्टल संबंधी तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया।

शिविर में विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने अपनी छात्रवृत्ति से जुड़ी समस्याओं को साझा किया। एक्सीलेंस सेल और विशेषज्ञों ने छात्रवृत्ति पोर्टल पर आने वाली तकनीकी अड़चनों को दूर कर विद्यार्थियों को राहत प्रदान की। छात्रवृत्ति के नोडल अधिकारी डॉ. महेंद्रकुमार शर्मा के अनुसार शिविर में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए विभिन्न योजनाओं के प्रभारी मौजूद रहे। इनमें ओबीसी छात्रवृत्ति प्रभारी डॉ. अनीता सोनवाल, एससी-एसटी छात्रवृत्ति प्रभारी डॉ. नलिनी तिलकर, 'गांव की बेटी योजना' प्रभारी डॉ. सीमाबाला अवास्या, 'प्रतिभा किरण योजना' प्रभारी डॉ. अंजना खेर और 'लाड़ली लक्ष्मी योजना' व अन्य हितग्राही योजना की प्रभारी डॉ. नुसरत सुल्ताना, आंतरिक गुणवत्ता सेल की प्रभारी डॉ. संगीता दुबे सहित अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रचार-प्रसार समिति के प्रभारी डॉ. दिनेश जोशी ने दी।

किसी का खंडन न करें अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़े रहें

आचार्य मुक्तिसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में तपागच्छीय सम्मेलन संपन्न, थावरचंद गेहलोत ने बताई जैन धर्म की महत्ता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



उदयपुर के आयड़ तीर्थ में रविवार को देवसूर तपागच्छीय सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। श्रद्धा, एकता और संगठन की सुदृढ़ता के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में चार राज्यों के शताधिक जैन संघों से लगभग 500 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आचार्य श्री मुक्तिसागरसूरीश्वरजी म. सा. के मार्गदर्शन में जैन धर्म की गौरवशाली परंपरा और सामाजिक समरूपता पर मंथन किया गया, जिसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत और उदयपुर के महापौर दिनेश भट्ट विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संजय जैन खलीवाला ने बताया कि इस भव्य सम्मेलन में उज्जैन श्री संघ की ओर से 20 सदस्य शामिल हुए। स्थानीय समाजजनों ने भी इस आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। आचार्य श्री मुक्तिसागरसूरीश्वरजी म. सा. ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ₹खंडन किसी का नहीं, मगर अपनी मूल परंपरा, संगठन और संस्कारों से जुड़े रहना जरूरी है।

मैं सनातनी हूं लेकिन जैन धर्म के नियमों का करता हूं पालन

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत ने अपने जीवन के प्रसंग साझा करते हुए कहा कि ₹मैं जन्म से जैन नहीं, सनातनी हूं, लेकिन जैन धर्म की शिक्षाओं से बेहद प्रभावित हूं और स्वयं जैन धर्म के नियमों का पालन करता हूं।₹ उन्होंने बताया कि वे केवल दाल-रोटी और सब्जी खाते हैं तथा रात्रिभोज नहीं करते। गेहलोत ने जैन संतों के तप, त्याग और संयम को पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। सम्मेलन में देवसूर तपागच्छ के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बागानी ने आचार्यश्री के निदेर्शानुसार अपना पदभार पुण्यपाल सुराणा को सौंपा। संगठन को विस्तार देते हुए आचार्यश्री ने चार राज्यों के लिए संरक्षकों की घोषणा की, जिनमें मध्य प्रदेश से डॉ. प्रकाश बागानी, गुजरात से भूषण शाह, महाराष्ट्र (पुणे) से ललित और राजस्थान (आयड़) से कुलदीप नाहर शामिल हैं। इसके अलावा कैलाश नाहर को संयोजक और यशवंत जैन को महासचिव नियुक्त किया गया। युवाओं और महिलाओं को जोड़ने के लिए 'यंग ब्रिगेड' और 'महिला विंग' का गठन किया गया।

शिव मंदिर में राम का नाम लेने से प्रसन्न होते हैं भोलेबाबा

मालनवासा के जागृति मैरिज गार्डन में चल रही पांच दिवसीय शिव महापुराण कथा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हैं आयोजन के प्रेरणा स्रोत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

दुर्गा सशक्त भाव वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में पितृ पक्ष के पावन अवसर पर मालनवासा स्थित जागृति मैरिज गार्डन में पितरों की मोक्ष प्राप्ति के लिए पांच दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। 8 अक्टूबर तक चलने वाली इस कथा के प्रेरणा स्रोत मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हैं। कथा का वाचन ज्योतिषाचार्य पंडित अजय शंकर तिवारी कर रहे हैं।

कथावाचक ज्योतिषाचार्य पंडित अजय शंकर तिवारी ने 5 अक्टूबर को सती चरित्र की व्याख्या की। उन्होंने भगवान राम और शिव की एक-दूसरे के प्रति अगाध श्रद्धा का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं से कहा, ₹शिव जी के मंदिर में जाओ तो भले ही ॐ नमः शिवाय मत बोलो, पर राम का नाम जरूर लो। भोले बाबा बहुत प्रसन्न होते हैं।₹ कथा के क्रम में 6 अक्टूबर को शिव-पार्वती विवाह, 7 अक्टूबर को गणेश जन्मोत्सव और अंतिम दिन 8 अक्टूबर को 12 ज्योतिर्लिंग की महिमा का वर्णन किया जाएगा।

कथा में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र से आए मंदार अभिषेक चाफेकर के साथ उदय, प्रमोद, भश्वराज और निर्मोई शामिल हुए। आयोजन में क्षेत्रीय पार्षद निर्मला करण परमार और सुगनबाई बाबूलाल बघेला ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के यजमान व संरक्षक काशीनाथ कुमार (के.के.) हैं।

आयोजन को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष दुर्गेश नंदिनी शर्मा, उपाध्यक्ष नीलू जैन, सचिव डॉ. दीपा बजाज, उपसचिव रुपाली शर्मा, कोषाध्यक्ष भावना जोशी सहित सदस्य अर्चना अत्रे, रेखा, श्रीकुंवर चावड़ा, भारती और विद्या शर्मा सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा मुख्य कार्यकर्ता संजय पवार, तूफान मालवीय, प्रेम राठौर, रमेश गुर्जर, ब्रह्म सिंह परिहार और दीपक बैरागी आयोजन की व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। आयोजक समिति ने शहर के धर्मप्रेमियों से कथा में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है।

'कलर्स ऑफ साइंस 3.0' में दिखेंगे किसानों के लिए उपयोगी वैज्ञानिक नवाचार

9 अक्टूबर को विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में लगेगा विज्ञान बाजार, मिलेट फूड और जैविक उत्पाद होंगे मुख्य आकर्षण

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्टडीज इन जूलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी में 9 अक्टूबर को सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक 'कलर्स ऑफ साइंस-3.0' विज्ञान बाजार लगेगा। कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज और विभागाध्यक्ष डॉ. सलिल सिंह के निर्देशन में आयोजित इस बाजार में विद्यार्थी 'किसान कल्याण के लिए विज्ञान' थीम पर अपने वैज्ञानिक नवाचार और कृषि उत्पाद प्रदर्शित करेंगे।

विज्ञान बाजार में विद्यार्थी कृषि और जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित नवाचार पेश करेंगे। इनमें बायोपेस्टिसाइड, बायोफंगीसाइड, जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, प्राकृतिक कीटनाशी और एडिबल बायोप्लास्टिक मुख्य रूप से शामिल रहेंगे। इसके साथ ही बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो और कुटकी जैसे मिलेट्स से बने स्वादिष्ट स्नैक्स, बेकरी उत्पाद और पेय पदार्थ भी प्रदर्शित किए जाएंगे। यह मिलेट फूड स्थानीय अनाजों के उपयोग और पोषण जागरूकता को बढ़ावा देगा।

हर्बल उत्पाद और 'लर्न एंड अर्न' का मिलेगा अनुभव

आयोजन में हर्बल कॉस्मेटिक्स, प्लांट-बेस्ड प्रोडक्ट्स, प्राकृतिक रंग और फूड प्रोसेसिंग से जुड़े मॉडल भी रखे जाएंगे। यह आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति की 'लर्न एंड अर्न' अवधारणा को व्यवहार में उतारने का एक प्रयास है। यहां विद्यार्थी केवल वैज्ञानिक मॉडल प्रदर्शित नहीं करेंगे, बल्कि वे उत्पाद निर्माण, ब्रांडिंग, विपणन और उद्यमिता का सीधा अनुभव भी प्राप्त करेंगे। इससे विज्ञान को प्रयोगशाला से निकालकर सीधे बाजार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

चामुण्डा माता मंदिर में भव्य नवरात्रि महोत्सव की तैयारियां पूर्ण

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

माँ छत्रेश्वरी चामुण्डा माता मंदिर में इस वर्ष शारदीय नवरात्रि का पर्व अत्यंत भव्यता के साथ मनाया जाएगा। पर्व के सफल आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए मंदिर के पीछे प्रेमछाया परिसर में चामुण्डा माता मंदिर भक्त समिति की साधारण सभा हुई। सभा की अध्यक्षता उदय शोले ने की। मुख्य अतिथि के रूप में माधुरी शर्मा, सुरेश द्विवेदी, योगेश शर्मा 'चुन्नू भैया', रीना सूरी, डॉ. विजय कुमार पाठक, गोपाल भाटिया और सुदेश नीमा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत माता की मंत्रमुग्ध कर देने वाली स्तुति से हुई।

भक्त समिति के संयोजक एवं मंदिर के पुजारी शरद चौबे के अनुसार 11 अक्टूबर 2026 से नवरात्रि पर्व प्रारंभ होगा। उत्सव के दौरान मंदिर में आकर्षक विद्युत सज्जा, पुष्प डेकोरेशन और प्रसाद वितरण की उत्तम व्यवस्था रहेगी। नवरात्रि में प्रतिदिन सुबह और शाम 7:30 बजे महाआरती होगी। 20 अक्टूबर 2026 को नवमी का हवन संपन्न होगा। इसके पश्चात 25 अक्टूबर 2026 को शरद पूर्णिमा के अवसर पर मध्यरात्रि खीर प्रसादी और 1 नवंबर 2026 को विशाल कन्या भोज का आयोजन किया जाएगा। वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र शाह के अनुसार चामुण्डा माता मंदिर परिसर में भारत दर्शन के सचित्र दर्शन भी उपलब्ध हैं। इनमें 51 शक्तिपीठ, द्वादश ज्योतिर्लिंग, सप्तपुरी और चार धाम के दर्शन शामिल हैं,

समालखा में 23 से 26 अक्टूबर तक सजेगा 79वां निरंकारी संत समागम

'जागृति' विषय पर केंद्रित इस चार दिवसीय आयोजन में उज्जैन जोन 25 के श्रद्धालु भी करेंगे शिरकत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

संत निरंकारी मिशन 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक समालखा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर अपना 79वां वार्षिक संत समागम आयोजित करेगा। मीडिया सहायक विनोद गज्जर ने बताया कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के सान्निध्य में होने वाले इस आयोजन का मुख्य विषय 'जागृति' रखा गया है। मानवता, एकत्व और सद्भाव का संदेश देने वाले इस भव्य समागम में उज्जैन जोन 25 के अंतर्गत पेटलावद, करवाद, मेघनगर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, मानसा, खड़ावदा और देवास क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचेंगे।

समागम स्थल पर तैयारियां पूरे उत्साह और लगन के साथ चल रही हैं। गज्जर के अनुसार श्रद्धालु निर्माण कार्य, शामियाने की सजावट, स्वच्छता, जल व्यवस्था और भोजन सेवा में जुटे हैं। आयोजन की भव्यता को दर्शाने वाला मुख्य प्रवेश-द्वार भी आकार ले रहा है। सेवक बिना किसी थकान के आत्मिक आनंद के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की जा रही हैं।

कालिदास अकादमी और व्यास संकुल में हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

अभा संजा लोकोत्सव की स्मारिका का विमोचन, प्रो. शर्मा को मिला 'प्रतिकल्पा शिखर सम्मान, देशभर के लोक कलाकार हुए सम्मानित

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



अखिल भारतीय संजा लोकोत्सव का 4 अक्टूबर 2026 को कालिदास अकादमी और पंडित सूर्यनारायण व्यास संकुल में भव्य समापन हुआ। अंतिम दिन कला, साहित्य और सम्मान गतिविधियों के बीच राज्यसभा सांसद संत उमेश नाथ जी महाराज की उपस्थिति में लोकोत्सव की स्मारिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मालवी साहित्यकार प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार शर्मा को वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित 'प्रतिकल्पा शिखर सम्मान' से नवाजा गया।

प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली, मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर, मध्य प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड और संस्कार भारती के सहयोग से यह आयोजन हुआ। समापन अवसर पर राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ स्मिता सहस्त्रबुद्धे और संस्कार भारती के योगेंद्र पिपलुनिया विशेष रूप से मौजूद रहे। संस्था के संस्थापक सचिव कुमार किशन ने बताया कि सुबह कालिदास अकादमी में पारंपरिक संजा और मांडना प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें 250 बच्चों ने हिस्सा लिया। सुबह 10.30 बजे से लोक साहित्य महोत्सव के तहत अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विद्वानों ने लोक साहित्य पर अपने विचार रखे।

महोत्सव में विभिन्न राज्यों के कलाकारों को लोक कला सम्मान प्रदान किया गया। इनमें गुजरात के राजेश भाई राठवा, उत्तर प्रदेश के गोविंद तिवारी, पंजाब की प्रीति रामगढ़िया और मध्य प्रदेश के सागर से आए उमेश नामदेव शामिल हैं। सुदर्शन आयाचित ने अपनी माता रत्नप्रभा आयाचित की स्मृति में श्रेष्ठ कला प्रदर्शन के लिए सर्वोत्तम संगीत एवं कला नृत्य अकादमी को स्मृति चिह्न और 5000 रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया।

शाम 7 बजे से लोकरंग यात्रा के तहत विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति हुई। इसमें पंजाब का गिद्दा, गुजरात का राठवा, उत्तर प्रदेश का मयूर और मध्य प्रदेश के सागर का नोरता नृत्य शामिल था। वहीं, प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा डॉ पल्लवी किशन के निर्देशन में मालवी बधाई नृत्य प्रस्तुत किया गया।

लोकगीत प्रतियोगिता के ग्रुप ए में सर्वोत्तम संगीत नृत्य अकादमी ने प्रथम, न्यू ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज के देवेश यादव ने द्वितीय और संस्था नाद ब्रह्म की आराध्या आचार्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप बी में आर. के. बंसल स्कूल सेठी नगर प्रथम, संस्था नाद ब्रह्म की यशिका शर्मा द्वितीय तथा गो ग्रीन इंटरनेशनल स्कूल की आयुषी नागर तृतीय रहीं। ग्रुप सी में सर्वोत्तम नृत्य संगीत अकादमी की एकता पोद्दार ने पहला और कौशिकी म्यूजिक एकेडमी की दीपिका ने दूसरा स्थान हासिल किया। सामूहिक लोकनृत्य के सब जूनियर ए वर्ग में सर्वोत्तम संगीत नृत्य अकादमी की अद्विका पांडेय प्रथम, झूमर झंकार का माही माधव समूह द्वितीय और कलायोगिनी नृत्य संस्था की लक्षिता सोलंकी तृतीय रहीं। जूनियर बी में बन्नो की टोली की चाहत कश्यप को प्रथम, नृत्य उत्सव गरबा ग्रुप की काशवी नागर को द्वितीय और त्रिनेत्रा सांस्कृतिक संस्था की अनाया जैन को तृतीय स्थान मिला। सीनियर सी वर्ग में नृत्य सिद्धा अकादमी ने पहला, कलायोगिनी नृत्य संस्था ने दूसरा और अनामिका सिकरवार समूह ने तीसरा स्थान पाया। ओपन ग्रुप में द बाई सा'ज की मधु भानकर प्रथम, नृत्य सिद्धा अकादमी द्वितीय तथा कला योगिनी मातृशक्ति तृतीय रहीं।

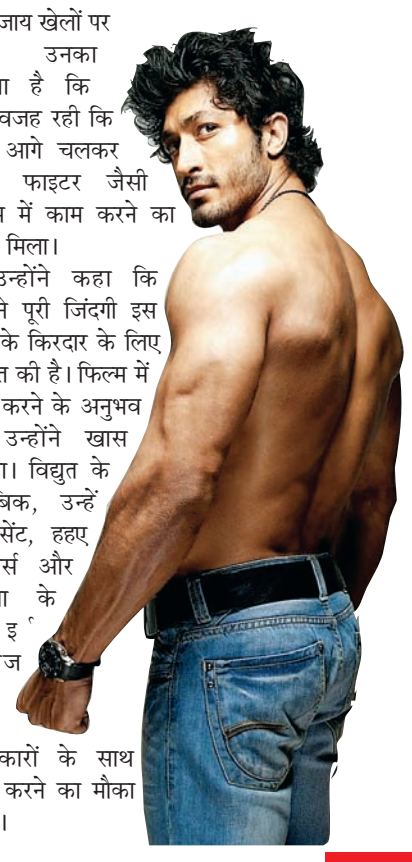
एकल लोकनृत्य के सब जूनियर ए में खनक तोमर प्रथम, रेवा शर्मा द्वितीय और नव्या उपाध्याय तृतीय रहीं, जबकि भारवी वर्मा को सांत्वना पुरस्कार मिला। जूनियर बी में ईशानी राठौर ने पहला, वंशिका तलरेडिया ने दूसरा व स्तुति खत्री ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। रिद्धिमा खण्डेलवाल व कावेरी कश्यप को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सीनियर सी में साक्षी जोशी प्रथम, अनामिका सिकरवार द्वितीय और शर्वरी भटनागर तृतीय रहीं। इस वर्ग में दिशा राजपुरोहित को सांत्वना पुरस्कार मिला। ओपन डी वर्ग में नविता मण्डलोई पहले, मधु मानकर दूसरे और सोनल राजपुरोहित तीसरे स्थान पर रहीं। मांडना प्रतियोगिता के ग्रुप ए में पूर्वी देव प्रथम, भुवनेशी समाधिया द्वितीय और संध्या गोयल तृतीय रहीं। ग्रुप बी में दिव्यांशी चौहान ने पहला, समृद्धि चौधरी ने दूसरा और मनु

विद्युत जामवाल ने 15 मिनट रोकी सांस, 20 मिनट नहीं झपकाईं पलकें

विद्युत जामवाल अपने खतरनाक स्टंट्स और फिटनेस के लिए पहचाने जाते हैं। अब उन्होंने ऐसा कारनामा किया है, जिसे देखकर ह्यस्ट्रीट फाइटरह्न के इवेंट में मौजूद लोग हैरान रह गए। एक्टर करीब 15 मिनट तक सांस रोककर एकटक बैठे रहे। उनकी आंखें खुली थीं और उन्होंने पलक तक नहीं झपकाई। कुछ देर बाद उनके पैरों में कंपन दिखाई दिया और आंखों से आंसू आने लगे। इसी इवेंट में विद्युत ने अपनी हॉलीवुड फिल्म, धलसिम के किरदार, शूटिंग के अनुभव और बॉलीवुड से तुलना पर भी खुलकर बात की।

स्ट्रीट फाइटर के इवेंट में विद्युत जामवाल करीब 15 मिनट तक बिना सांस लिए और बिना पलक झपकाए बैठे रहे। शुरूआत में लोगों को लगा कि वह मेडिटेशन कर रहे हैं, लेकिन काफी देर तक इसी स्थिति में रहने पर सभी का ध्यान उनकी तरफ चला गया। करीब 15 मिनट बाद उनके पैरों में हल्का कंपन नजर आया और आंखों से पानी आने लगा। तब लोगों को समझ आया कि वह इतने लंबे समय से सांस रोककर बैठे थे। विद्युत की योग और मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग लंबे समय से फिटनेस का हिस्सा रही है और इसका असर उनके एक्शन स्टंट्स में भी नजर आता है।

इवेंट में विद्युत ने अपने हॉलीवुड डेब्यू और धलसिम के किरदार के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि बचपन में उनका ध्यान वीडियो गेम खेलने के बजाय खेलों पर रहा। उनका मानना है कि यही वजह रही कि उन्हें आगे चलकर स्ट्रीट फाइटर जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला।



उन्होंने कहा कि उन्होंने पूरी जिंदगी इस तरह के किरदार के लिए मेहनत की है। फिल्म में काम करने के अनुभव को उन्होंने खास बताया। विद्युत के मुताबिक, उन्हें 50 सेंट, हहए रेसलर्स और दुनिया के क इ दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला।

शंकर महादेवन बोले- संगीत ही आत्मा है: एआई का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करें, हुनर कलाकार को टिकाता है

सा रे गा मा पा का नया सीजन 19 सितंबर 2026 से जी टीवी पर शुरू

सा रे गा मा पा का नया सीजन 19 सितंबर 2026 से जी टीवी पर शुरू हो चुका है। इस सीजन में शंकर महादेवन जज हैं। शो में देशभर से आए सिंगर्स अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान शंकर महादेवन ने शो की भव्यता, नए टैलेंट, संगीत की ताकत, सोशल मीडिया के दौर में कलाकारों की लोकप्रियता और एआई के बढ़ते इस्तेमाल पर बात की।

उन्होंने बताया कि किसी कलाकार की पहचान सिर्फ सुर और तकनीक से नहीं होती, बल्कि उसकी आवाज में मौजूद वह खास एहसास भी मायने रखता है, जो सीधे दिल तक पहुंचता है। उन्होंने नए कलाकारों को लेकर अपने शुरूआती दिनों की यादें साझा कीं और अरिजीत सिंह से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुनाया।

शंकर महादेवन ने कहा इस बार शो की थीम मेगा है। आप अब तक जितने भी सा रे गा मा पा या दूसरे रियलिटी शो देखते आए हैं, उस लेवल को दस गुना कर दीजिए। इस बार शो उसी स्तर पर तैयार किया गया है। चाहे सेट की बात करें या म्यूजिशियंस की, यहां करीब 100 म्यूजिशियंस और लगभग 100 कोरस सिंगर्स हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों से लोक कलाकार और स्थानीय डांसर्स भी शामिल किए गए हैं।



शंकर महादेवन ने कहा ओडिशा, केरल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम और दूसरे राज्यों के कलाकार यहां अपनी संस्कृति की झलक दिखा रहे हैं। इसलिए यह शो सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध है। यह म्यूजिक और कल्चर का शानदार प्रतिनिधित्व करता है। इसी वजह से इसे ह्यहिंदुस्तान का संगीत स्थानह्न कहा गया है। शंकर महादेवन ने कहा सा रे गा मा पा सबसे पुराने और ओरिजिनल सिंगिंग रियलिटी शोज में से एक है। इसे करीब 31 साल हो चुके हैं। आप किसी इंसान को कितना भी अच्छा तैयार कर दें, उसे बड़े डिजाइनर कपड़े पहना दें, लेकिन अगर उसके अंदर आत्मा और जीवन नहीं है तो उसका कोई फायदा नहीं है। इस शो का जीवन उसका संगीत है। यहां के टैलेंट और म्यूजिक की क्वालिटी मजबूत है।

शंकर महादेवन ने कहा जो विजुअल और सोनिक एक्सपीरियंस जोड़ा गया है, वह दर्शकों के लिए शानदार अनुभव है। हम लोग भी इसे देखकर हैरान रह गए। मैंने अपने बच्चों को भी इसके बारे में नहीं बताया था। मेरे दो बच्चे हैं, सिद्धार्थ और शिवम। दोनों म्यूजिक से जुड़े हैं,

हनुमान अंश फिल्म की टीम कैंची धाम पहुंची:



अभिनेता शोभिनव सत्या ने बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन किए

बाबा नीब करौरी महाराज के जीवन पर बनी फिल्म ह्यहनुमान अंशह्न की टीम सोमवार सुबह कैंची धाम पहुंची। फिल्म की सफलता से उत्साहित टीम ने बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। मुख्य अभिनेता शोभिनव सत्या अपनी टीम के साथ सुबह सात बजे मंदिर में आयोजित आरती में शामिल हुए।

अभिनेता शोभिनव सत्या ने बताया कि उत्तराखंड के खटीमा में आयोजित आदि रंगोत्सव में उन्हें राज्य की संस्कृति के अलग-अलग रंग देखने को मिले। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति और परंपराओं ने उन्हें प्रभावित किया है। शोभिनव सत्या ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें बुलाकर सम्मानित किया और फिल्म को टैक्स फ्री भी किया। उन्होंने इसे मुख्यमंत्री के संस्कृति के प्रति प्रेम और सम्मान से जोड़कर बताया। अभिनेता ने उत्तराखंड को देवभूमि बताते हुए लोगों से यहां आने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकास कार्यों और राज्य में बेहतर व्यवस्थाओं की भी सराहना की।

अनूप सोनी पर सबसे ज्यादा भरोसा करती हैं हरलीन सेठी

एक्ट्रेस हरलीन सेठी ने फन सेगमेंट में अपनी पसंद और निजी अनुभवों से जुड़े कई मजेदार खुलासे किए। बातचीत में उन्होंने बताया कि वह आंख बंद करके सिर्फ अपने मां-बाप पर भरोसा करती हैं। को-स्टार्स में अनूप सोनी को सबसे भरोसेमंद और सुमित व्यास को सबसे फनी बताया।

हरलीन ने जेनिफर विंगेट के साथ रोड ट्रिप पर जाने की इच्छा जताई और आलिया भट्ट व रणवीर सिंह के साथ काम करने की ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने अपने यादगार फैन मोमेंट का किस्सा भी साझा किया, जब लंदन की एक फैन ने उनके डांस वीडियो देखकर अपनी दिवाली खास बनाने की बात कही।

हरनील सेठी ने कहा मैं पहले भी लोगों को बहुत ज्यादा ऑब्जर्व नहीं करती थी और अब भी कम ही करती हूं। लेकिन इस किरदार ने एक बात जरूर समझाई कि हर किसी पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता। कई बार जो लोग आपके बहुत करीब दिखाई देते हैं, जरूरी नहीं कि वे हमेशा आपका भला ही चाहें।

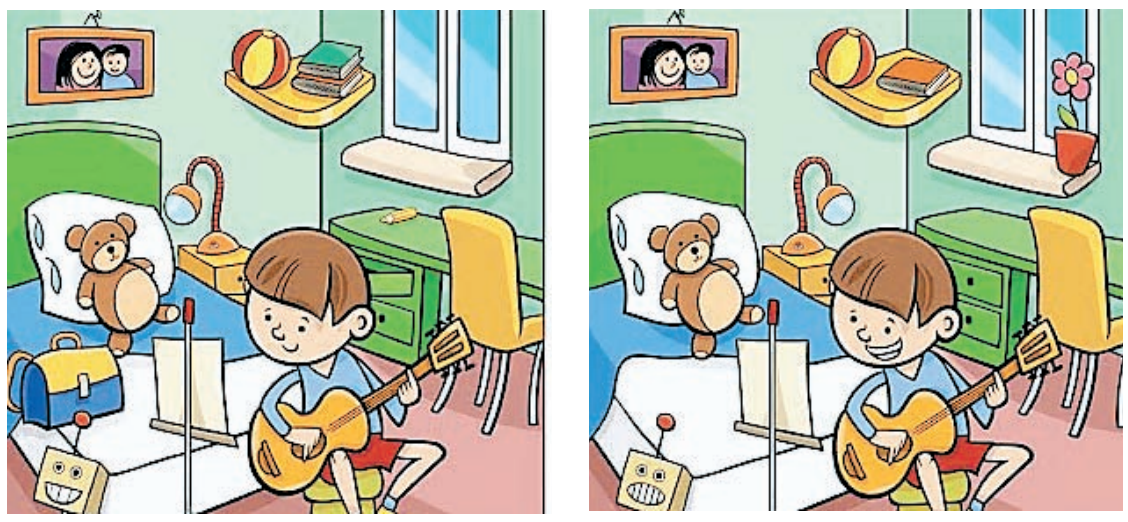
हरनील सेठी ने कहा मेरे लिए दोस्त वही है जो आपकी गैरमौजूदगी में भी आपका साथ दे। जब आप कमरे में नहीं हैं और आपकी बात हो रही है, तब आपका दोस्त आपके बारे में क्या कहता है, यही असली पहचान है। हरनील सेठी ने कहा मेरे मां-बाप। उनसे ऊपर कुछ नहीं है।

हरनील सेठी ने कहा कुछ साल पहले लंदन से एक लड़की का मैसेज आया था। उसने बताया कि दिवाली के दिन उसकी तबीयत ठीक नहीं थी और उसका पति परिवार के साथ डिनर पर चला गया। वह घर पर अकेली थी। उसने मेरे डांस वीडियो चलाए और पूरी रात उन्हें देखकर डांस करती रही। उसने मुझे लिखा कि उसने अपनी जिंदगी की सबसे अच्छी दिवाली मनाई।



ऐसी कहानियां मुझे याद दिलाती हैं कि कला की समाज में कितनी अहमियत है। अगर आपका काम किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है या किसी का नजरिया बदल सकता है, तो उससे बड़ी बात क्या होगी?

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...



रंग भरकर चित्र बनाओ

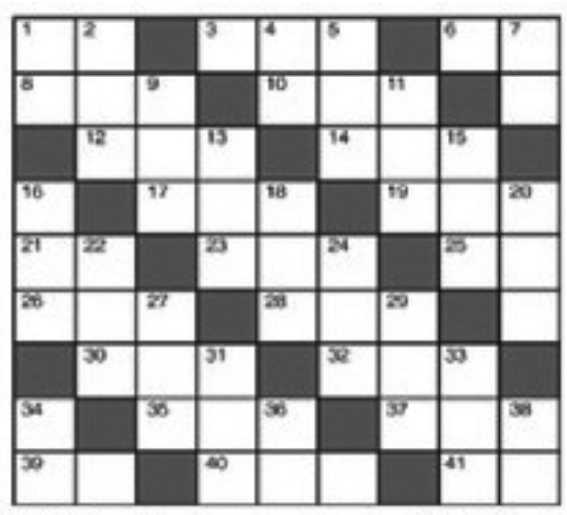


जोक्स

एक 88 साल के बुजुर्ग को फोन आया– सर हम बैंक से बोल रहे हैं, म्यूचुअल फंड ले लो, साल में भाव डबल हो जाएंगे।
बुजुर्ग: बेटा, मैं उम्र के उस मोड़ पर हूँ जो केले भी कच्चे नहीं खरीदता।

टीचर: बताओ तुम्हारा होमवर्क कहां है
पप्पू: मैडम फेसबुक पर चेक करिए, मैंने स्क्रीनशॉट अपलोड कर दिए हैं और आपको टैग भी कर दिया है।

वर्ग पहेली





बाएं से दाएं

1. इच्छा, मन्नत-2
3. आश्रय, शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब. स्वप्न-3
17. घर, आवास-3
19. लाव-3
21. भस्म, खाक-2
23. निगाह, दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग, हिलोर-3
32. गुंडा, बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी.के-3
41. मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1. सप्तम, सातवां-2
2. पृथ्वी, वसुंधरा-3
4. घ्राणेंद्रिय-2
5. वासना. लालसा-3
7. खुमार, सरुर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर, तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल, खानदान, वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि, शरीर का मध्यांग-3
22. इमामदस्ता-3
24. नकद राशि, रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी, विदा होना-3
31. राशि, धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

माथा पच्ची

50		2		5		2	=	40
40		4		80		50	=	30
80		5		50		25	=	10
40		20		4		4	=	20
=		=		=		=		=
50		20		39		23	=	° /

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

सा	म	प	कु	क	या	म	त	ला	भी	क	
ए	ठ	र	ज	ई	ढ़े	मे	ह	क	ज	प	
क	त	दे	अ	म	न	इ	टि	म	ग	म	
हि	म	शी	मा	ज	ल	स	था	प	प	पा	
ब्लू	म	वा	श	त	न	उ	ना	ख	दे	त	
स्ता	जे	बु	र	ठ	द	बी	म	ल	इ	सा	
जी	मा	दे	खो	व	जा	स	स्ता	पी	ख	न	
ठ	दे	ह	वा	व	प	जी	ना	इ	भ	क	
ल	टि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	य	त	
वि	ज	ति	त	हि	द	ह	म्म	ह	ल	है	
ते	ठ	जा	क	टि	अ	भि	व	र्षा	स	म	

शब्दजाल में रवीना टंडन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं.

कयामत, एक हिन्दुस्तानी, सोच, अग्निवर्षा, घात, जंग, अजनबी, राजाजी, परदेशी बाबू, दिवाना मस्ताना

अष्टयोग

1			4		7	
5	42	7	33		23	
		6	3		2	1
	32		38	7	32	6
4	3	2				5
6	24		33	5	35	4
		4	6	2		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

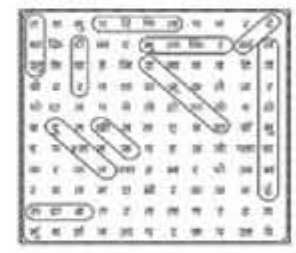
माथा पच्ची का हल

10	+	10	x	2	+	10	=	50
+		x		÷		+		+
5	x	5	-	5	+	15	=	35
-		+		÷		x		+
15	x	1	÷	10	+	2	=	35
+		-		-		+		-
30	-	25	x	10	+	12	=	62
=		=		=		=		=
30	+	29	+	7	-	62	=	° /

अष्टयोग का हल

2	3	4	5	6	7	1
6	22	1	30	2	38	4
1	2	3	4	5	6	7
7	30	2	31	3	33	6
4	5	6	7	1	2	3
5	39	7	43	4	25	5
3	4	5	6	7	1	2

शब्दजाल का हल



सूडोकू नवताल-

सरल

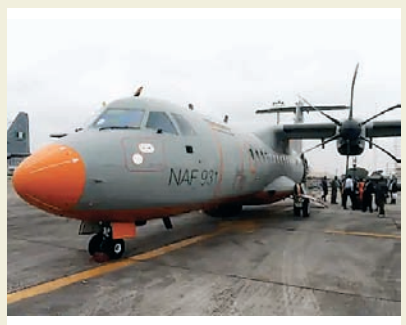
7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल [illegible] का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

नाइजीरिया में 32 लोगों को ले जा रहा मिलिट्री-प्लेन क्रैश:



25 यात्री और 7 क्रू सवार थे; नदी के पास गिरा, सर्च ऑपरेशन जारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नाइजीरिया

नाइजीरिया के दक्षिणी हिस्से में सोमवार को 32 लोगों को लेकर जा रहा सैन्य प्लेन क्रैश हो गया। प्लेन में 25 यात्री और 7 क्रू मेंबर सवार थे। हादसा ओंडो राज्य के नदी किनारे बसे इग्बोकोंडा शहर में हुआ। हादसे में कितने लोग हताहत हुए, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिली है।

नाइजीरिया के एविएशन मिनिस्टर फेस्टस कीयामो ने बताया कि प्लेन एक नियमित मिशन पर देश के आर्थिक केंद्र लागोस जा रहा था। स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 9 बजे प्लेन रडार से गायब हो गया। बाद में पता चला कि यह नौसैनिक बेस के पास क्रैश हुआ है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि प्लेन नदी के पास गिरा और उसका कुछ हिस्सा पानी में डूब रहा था। प्रत्यक्षदर्शी अकिनबुलेजो पियस ने कहा कि उन्हें तेज आवाज सुनाई दी, जो उन्हें बिजली गिरने जैसी लगी। इसके बाद उन्होंने प्लेन को पेड़ों के ऊपर से गुजरते और नीचे गिरते देखा। मौके पर शरीर के कुछ हिस्से, कपड़े और जूते भी मिले।



राष्ट्रपति ने 3 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया

नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू ने हादसे के बाद 3 दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। उन्होंने सोमवार को पूरे देश में झंडे आधे झुकाने का आदेश दिया है।

टिनुबू ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि देश के एयरफोर्स जवान अपनी जान जोखिम में डालकर सुरक्षा करते हैं और उनका बलिदान कभी नहीं भुलाया जाएगा। राष्ट्रपति ने नाइजीरियाई एयरफोर्स को हादसे की तुरंत और पूरी जांच करने का आदेश दिया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

नाइजीरियाई एयरफोर्स ने बताया कि क्रैश हुआ प्लेन अळफ-42 था। नाइजीरियाई सेना इस प्लेन का इस्तेमाल खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी करने और सैनिकों व सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए करती रही है।

पानी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना ज्यादा मुश्किल

नदी या पानी में प्लेन गिरने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जमीन पर हादसे के मुकाबले ज्यादा मुश्किल हो सकता है। गोताखोरों और रेस्क्यू टीम को तेज बहाव, कम विजिबिलिटी, प्लेन के पानी में डूबने और मलबे के फैलने जैसी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पानी में रेस्क्यू ऑपरेशन की बड़ी चुनौतियांङ्ख.

पानी का तेज बहाव

नदी का बहाव मलबे और लोगों को हादसे वाली जगह से दूर ले जा सकता है। इससे रेस्क्यू टीम के लिए सही जगह का पता लगाना मुश्किल होता है।

अंदर कुछ दिखाई नहीं देता

नदी का पानी अक्सर गंदा होता है। गोताखोरों को कुछ मीटर दूर की चीज भी दिखाई नहीं दे सकती। ऐसे में उन्हें टॉर्च, सोनार और दूसरे उपकरणों की मदद लेनी पड़ती है।

प्लेन तेजी से डूब सकता है

प्लेन का कोई हिस्सा पानी के अंदर जाने के बाद उसकी लोकेशन बदल सकती है। केबिन में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए गोताखोरों को पहले प्लेन की स्थिति और गहराई का पता लगाना पड़ता है।

मलबे से चोट का खतरा

टूटा हुआ प्लेन, सीटें, धातु के हिस्से और दूसरे सामान पानी के अंदर खतरा पैदा कर सकते हैं। गोताखोरों के कपड़े या उपकरण इनमें फंस भी सकते हैं। नदी के नीचे कीचड़, रेत या पत्थर होने से गोताखोरों की आवाजाही मुश्किल हो सकती है। गहराई ज्यादा होने पर सामान्य गोताखोरी भी मुश्किल हो जाती है।

:87 साल की महिला महंगा किराया नहीं चुका पाई; 8 महीने पहले चुनाव होंगे

स्पेन में किराएदार को घर से निकालने पर सरकार गिरी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मैड्रिड

स्पेन में 87 साल की एक महिला को घर से निकालना बहुत बड़ा मुद्दा बन गया। महंगे किराए और लोगों को घर से निकाले जाने के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतर आए।

मामला इतना बढ़ा कि सरकार को किराएदारों को राहत देने के लिए संसद में इमरजेंसी बिल लाने पड़े। लेकिन सरकार इन्हें पास नहीं करा सकी। इसके बाद प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने तय समय से करीब 8 महीने पहले आम चुनाव कराने का ऐलान कर दिया। स्पेन में 29 नवंबर 2026 को वोटिंग होगी।

मामले की शुरूआत 23 सितंबर को हुई। मैड्रिड में 87 साल की मारिया डेल कार्मेन अबास्कल को उस घर से निकाल दिया गया, जहां वह करीब 70 साल से रह रही थीं। यह घर अबास्कल परिवार के पास कई दशकों से किराए पर था। 2018 में घर के मूल मालिक ने पूरी इमारत एक रियल एस्टेट कंपनी को बेच दी। इसके बाद कंपनी और अबास्कल में किराए को लेकर विवाद शुरू हो गया। कंपनी ने किराया 500 यूरो से बढ़ाकर 2650 यूरो कर दिया। अबास्कल की मासिक पेंशन ही करीब 1,350 यूरो थी।

यानी मांगा गया किराया उनकी पूरी मासिक आय से भी काफी ज्यादा था। इसी वजह से वह नया किराया देने की स्थिति में नहीं थीं। इसके बाद मामला कोर्ट में चला गया था।



घटना के बाद पूरे देश में विरोध शुरू हुआ

अबास्कल को घर से निकाले जाने की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से फैल गया। लोगों का कहना था कि अगर 87 साल की बुजुर्ग महिला अपनी पूरी पेंशन देने के बाद भी घर का किराया नहीं चुका सकतीं, तो यह सिर्फ एक परिवार की समस्या नहीं है। मैड्रिड समेत कई शहरों में लोगों ने महंगे किराए और बेदखली के खिलाफ प्रदर्शन किए। अबास्कल का मामला धीरे-धीरे स्पेन के बढ़ते आवास संकट का प्रतीक बन गया। सरकार पर भी दबाव बढ़ने लगा। प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज की सरकार ने कहा कि बुजुर्गों और दूसरे कमजोर किराएदारों को घर से निकालने से रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है।

बिलों को समर्थन नहीं मिलने की 4 वजहें

वजह 1: दूसरी पार्टियों को लगा कि इससे किराए के घर कम हो सकते हैं: विरोध करने वाली पार्टियों का कहना था कि अगर मकान मालिकों पर ज्यादा नियम लगाए गए तो वे अपने घर किराए पर देने से बच सकते हैं। इससे बाजार में किराए के लिए घर कम पड़ सकते हैं।

वजह 2: किराया और बढ़ने का खतरा: जब किराए के लिए घर कम होंगे, तो बचे हुए घरों का किराया बढ़ सकता है। यानी किराएदारों को राहत देने के बजाय समस्या और बड़ी हो सकती है।

वजह 3: छोटे मकान मालिकों को लेकर भी आपत्ति थी: जुंत्स का कहना था कि सरकार की योजना में छोटे मकान मालिकों के हितों का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया। सहयोगी पार्टी चाहती थी कि उनके लिए भी ज्यादा राहत और सुरक्षा हो।

वजह 4: सरकार के राजनीतिक विरोधी भी साथ नहीं आए: विपक्षी पार्टियां ढढ और वॉक्स पहले से ही सांचेज सरकार की आवास नीति का विरोध कर रही थीं। उन्होंने दोनों बिलों का समर्थन नहीं किया।

सरकार ने दो इमरजेंसी बिल पेश किए, दोनों खारिज

29 सितंबर को सरकार ने किराएदारों को राहत देने के लिए संसद में दो इमरजेंसी बिल पेश किए।

पहला बिल: इसमें कमजोर किराएदारों को 2030 तक घर से निकालने से रोकने की योजना थी। साथ ही किराए बढ़ाने पर कुछ पाबंदियां लगाने और बड़े निवेशकों के घर खरीदने पर रोक लगाने की बात थी। छोटे मकान मालिकों और किराएदारों को टैक्स में राहत देने का भी प्रावधान था।

दूसरा बिल: इसमें किराएदारों के मौजूदा किराए के समझौते को आगे बढ़ाने की बात थी। यानी समझौता खत्म होने के बाद उन्हें तुरंत घर खाली नहीं करना पड़ता और उन्हें कुछ और समय तक उसी घर में रहने का मौका मिलता। सरकार को उम्मीद थी कि आवास संकट को देखते हुए दूसरी पार्टियां इन उपायों का समर्थन करेंगी। लेकिन उसे जरूरी समर्थन नहीं मिला।

चीन के लिए जासूसी के शक में अमेरिकी महिला गिरफ्तार

ताइवानी राष्ट्रपति के बेटे का वीडियो बनाया, चीन जाते समय पर गिरफ्तार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने रविवार को लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट से 34 साल की एक महिला को गिरफ्तार किया। महिला पर आरोप है कि उसने चीन सरकार के लिए काम करते हुए ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बेटे की निगरानी की और उसकी तस्वीरें व वीडियो चीन तक पहुंचाए। अमेरिकी महिला की पहचान वैनयिंग झांग उर्फ हीदर झांग के रूप में हुई है। वह कैलिफोर्निया के इरविन शहर में रियल एस्टेट एजेंट है। एफबीआई ने उसे उस समय गिरफ्तार किया, जब वह लॉस एंजिल्स से शंघाई जाने वाली फ्लाइट पकड़ने वाली थी। अमेरिकी अधिकारियों ने उस पर किसी विदेशी सरकार के लिए काम करने का आरोप लगाया है। गिरफ्तार महिला की पहचान वैनयिंग हीदर झांग (34) के रूप में हुई है। वह कैलिफोर्निया के इरविन में रियल एस्टेट एजेंट है।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, झांग सितंबर 2025 में एक और व्यक्ति के साथ लास वेगास से सिएटल गई थी। दोनों ने वहां एक काली निसान रोग कार किराए पर ली और ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे टिंग-यू लाई के घर के पास पहुंचे।



जांच एजेंसी का आरोप है कि दोनों ने घर और वहां आने वाले लोगों की तस्वीरें और वीडियो बनाए। पड़ोसी के सुरक्षा कैमरे की फुटेज में भी दोनों को कैमरे से रिकॉर्डिंग करते हुए देखा गया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, झांग ने इस दौरान चीन के एक सरकारी अधिकारी को वीचैट पर जानकारी भेजी। सीआईए के मुताबिक, उसने बताया कि उसने टिंग-यू को देख लिया है और उसका वीडियो बना रही है। उसने दो गाड़ियों के नंबर भी भेजे थे। एफबीआई की शिकायत के मुताबिक, इस पूरे मामले की शुरूआत जून 2025 में हुई थी। झांग को उसकी पुरानी यूनिवर्सिटी के एक दोस्त ने चीन के एक सरकारी अधिकारी से मिलवाया था। झांग जून में चीन के चांगशा शहर गई थी। वहां उसने एक निजी कमरा बुक किया, जहां उसकी चीनी अधिकारी से मुलाकात हुई। ञ्झक के मुताबिक, अधिकारी ने उसे निगरानी से जुड़ा काम दिया था। जांच एजेंसी का कहना है कि इसके बाद झांग ने मैसेज भेजकर कहा था कि वह यह काम संभाल लेगी। कुछ समय बाद उसने अधिकारी को बताया कि वह अगले हफ्ते सिएटल जा सकती है। इसके बाद ही सितंबर 2025 में वह अपने साथी के साथ सिएटल गई और राष्ट्रपति के बेटे के घर की निगरानी की। एफबीआई एजेंट होल्ट ने शिकायत में कहा कि अगर चीन किसी संभावित संघर्ष के दौरान ताइवान के राष्ट्रपति पर दबाव बनाना चाहता है, तो उनके करीबी रिश्तेदारों की लोकेशन, घर और गाड़ियों की तस्वीरें उसके लिए उपयोगी हो सकती हैं।

रूस में अज्ञात बीमारी से लैब कर्मचारी की मौत:

200 क्वॉरेंटाइन, प्रयोगशाला में जिंदा प्लेग बैक्टीरिया वाली टेस्ट ट्यूब टूटी थी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मॉस्को

रूस में 28 साल की महिला कर्मचारी की अज्ञात बीमारी से मौत हो गई। इसके बाद उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को मेडिकल निगरानी में रखा गया है। महिला साइबेरिया के एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करती थी। स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, 25 सितंबर को लैब में काम करते समय उससे जीवित जैविक नमूनों वाली एक टेस्ट ट्यूब टूट गई थी।

29 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर वेंटिलेटर पर रखा गया। इलाज के दौरान 1 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई। टेस्ट ट्यूब में किस तरह का जैविक नमूना था, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। कुछ स्थानीय रिपोर्टों में इसे प्लेग से जुड़े नमूने से जोड़ा गया है, लेकिन रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

वहीं, रूस की स्वास्थ्य एजेंसी रोस्पोट्रेबनादजोर ने लैब में किसी टेस्ट ट्यूब के टूटने से साफ इनकार किया है। एजेंसी ने कहा कि महिला के सैंपल में उसके लैब के काम से जुड़े सूक्ष्मजीव नहीं मिले। महिला की मौत के बाद सवाल उठ रहा है कि उसे आखिर कौन सा संक्रमण हुआ था। उसे गंभीर निमोनिया था, लेकिन बीमारी की वजह पता नहीं चल सकी। इसके बाद अधिकारियों ने इमरजेंसी मीटिंग की। फिलहाल इसे अज्ञात कारणों वाला निमोनिया माना जा रहा है। निमोनिया वायरस और बैक्टीरिया दोनों से हो सकता है। इसके अलावा कुछ मामलों में फंगस या दूसरे कारण भी हो सकते हैं। लैब के पास मौजूद एक एल्युमिनियम फैक्ट्री ने कर्मचारियों को एहतियात के तौर पर मास्क पहनने को कहा है। फैक्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि घटना के बाद इलाके में कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं। रूस के पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी गेन्नादी ओनिशेंको ने कहा कि फिलहाल यह बीमारी प्लेग लगने की संभावना कम है। उनका कहना है कि अगर प्लेग की पुष्टि भी होती है, तो इसके बड़े पैमाने पर फैलने का खतरा नहीं है।



अफगानिस्तान ने चीन तक बनाई सड़क, भारत के लिए चिंता

121 किमी का वाखान कॉरिडोर चीन के लिए सीधा रास्ता, लद्दाख के पास बढ़ेगा असर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ काबुल/नई दिल्ली

अफगानिस्तान ने उत्तर-पूर्वी बदख्शां प्रांत में वाखान कॉरिडोर के जरिए चीन के शिनजियांग तक 121 किलोमीटर लंबी सड़क बना ली है। करीब 55 लाख डॉलर की लागत से बनी इस सड़क का उद्घाटन भी हो गया है। यह सड़क अफगानिस्तान और चीन के बीच पहला सीधा जमीनी रास्ता है।

तालिबान सरकार इस सड़क के जरिए अपने प्राकृतिक संसाधनों और सोने की खदानों को चीन के बाजार तक पहुंचाना चाहती है। इससे उसे दूसरे देशों और विदेशी कंपनियों पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच इस रास्ते को रणनीतिक तौर पर भी अहम माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी से मुलाकात के दौरान कहा था कि भारत की नजर वाखान में हो रही गतिविधियों पर है।



चीन के लिए वाखान कॉरिडोर शिनजियांग की सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से महत्वपूर्ण है। चीन ने इसी साल इस इलाके में नया प्रशासनिक कॉरिडोर भी बनाया है। इस रास्ते से चीन को अफगानिस्तान के सोने और दूसरे खनिजों तक आसानी से पहुंच मिल सकती है। साथ ही ईरान और मध्य पूर्व के बाजारों तक भी जमीनी रास्ता मिल सकता है। वाखान कॉरिडोर भारत के दावे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के पास है। ऐसे में इस इलाके में चीन की बढ़ती मौजूदगी भारत के लिए चिंता की बात मानी जा रही है। यह क्षेत्र लद्दाख के भी करीब है। इससे भारत को उत्तरी सीमा पर निगरानी और सुरक्षा बढ़ानी पड़ सकती है।

भारत को रणनीतिक मौजूदगी बढ़ानी होगी

रक्षा विशेषज्ञ एनसी बिपिंद्रा के मुताबिक, वाखान में चीन और मध्य एशिया के हित जुड़े हुए हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव और इस इलाके में चीन की बढ़ती मौजूदगी से वाखान का महत्व बढ़ गया है। उनके मुताबिक, भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों के साथ संपर्क बढ़ाकर अपनी कूटनीतिक और राजनीतिक मौजूदगी मजबूत करनी चाहिए।

लंदन-शिकागो फ्लाइट 28 हजार फीट नीचे आई



ब्रह्मास्त्र ▸▸ लंदन

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट इअ295 आयरलैंड के ऊपर उड़ान भरते समय कुछ ही मिनटों में करीब 28 हजार फीट नीचे आ गई। इस दौरान विमान ने 7700 इमरजेंसी कोड एक्टिव किया। इसके बाद फ्लाइट को शिकागो जाने के बजाय वापस लंदन की ओर मोड़ दिया गया। इमरजेंसी सिग्नल की वजह अभी सामने नहीं आई है। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, विमान आयरलैंड के ऊपर करीब 9 हजार फीट की ऊंचाई तक आया था। 7700 कोड एयर ट्रैफिक कंट्रोल को विमान में सामान्य इमरजेंसी का संकेत देता है।

ब्राजील में राष्ट्रपति लूला हार सकते हैं चुनाव

ट्रम्प के करीबी फ्लाविया बोल्सेनारो पहले दौर में आगे, पिता 27 साल जेल की सजा काट रहे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ ब्रासीलिया

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा चुनाव हार सकते हैं। 4 अक्टूबर को ब्राजील में पहले दौर की वोटिंग हुई। इसमें राष्ट्रपति लूला, पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे से पिछड़ गए। किसी भी उम्मीदवार को 50% से ज्यादा वोट नहीं मिले, इसलिए अब ब्राजील में 25 अक्टूबर को दूसरे दौर की वोटिंग होगी।

बोल्सोनारो परिवार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का करीबी माना जाता है। 2022 का चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की साजिश के मामले में जायर बोल्सोनारो को करीब 27 साल की जेल की सजा मिली है। ब्राजील में आम जनता सीधे राष्ट्रपति के लिए वोट करती है। राष्ट्रपति बनने के लिए किसी भी उम्मीदवार को 50% से ज्यादा वोट मिलने जरूरी हैं। पहले दौर में फ्लावियो बोल्सोनारो को करीब 47% वोट मिले, जबकि लूला को करीब 45% वोट मिले।



चुनाव से पहले आए ज्यादातर सर्वे लूला को बढ़त दिखा रहे थे, लेकिन नतीजों ने तस्वीर बदल दी।

पहले दौर में लूला और फ्लावियो के अलावा 10 और उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। वे चुनाव से बाहर हो गए हैं, लेकिन उन्हें मिले वोट अब भी बहुत मायने रखते हैं। दूसरे दौर में इन्हीं वोटों से तय हो सकता है कि लूला या फ्लावियो में से कौन राष्ट्रपति बनेगा। इनमें रोनाल्डो काइआडो और रेनान सैंटोस के वोट सबसे ज्यादा अहम हैं। दोनों को मिलाकर करीब 53 लाख वोट मिले हैं। अभी दोनों ने यह नहीं बताया है कि वे लूला का साथ देंगे या फ्लावियो का।

पिता जेल में, बेटा राष्ट्रपति बनने की रेस में



45 साल के फ्लावियो बोल्सोनारो इस चुनाव में सिर्फ एक उम्मीदवार नहीं हैं, बल्कि ब्राजील के बोल्सोनारो परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। वे रियो डी जेनेरियो से सीनेटर हैं। उनके पिता जायर बोल्सोनारो जेल में होने की वजह से चुनाव नहीं लड़ सकते। ऐसे में जायर ने अपने बेटे फ्लावियो को 2026 के चुनाव में आगे किया। फ्लावियो 2002 से राजनीति में हैं, लेकिन राष्ट्रपति पद के लिए यह उनका पहला चुनाव है। उन्होंने पिता की कट्टर दक्षिणपंथी छवि को आगे बढ़ाते हुए अपराध पर सख्त कार्रवाई, टैक्स में कटौती और कारोबार को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों को अपने अभियान का हिस्सा बनाया है।

■ वर्ष-12 अंक-333 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

किमत्र बहुनोक्तेन शास्त्रकोटि शतेन च।
दुर्लभा चित्त विश्रान्तिः विना गुरुकृपां परम्।।

भावार्थ : बहुत कहने से क्या? करोड़ों शास्त्रों से भी क्या? चित्त की परम् शांति, गुरु के बिना मिलना दुर्लभ है।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, मंगलवासरः 06 अक्टूबर, 2026

नीचं शय्यासनं चास्य सर्वदा गुरुसंनिधौ।
गुरोस्तु चक्षुर्विषये न यथेष्टासनो भवेत्।।

भावार्थ : गुरु के पास हमेशा उनसे छोटे आसन पर ही बैठना चाहिए। गुरु के आते हुए दिखाई देने पर भी अपनी मनमानी से नहीं बैठे रहना चाहिए। अर्थात गुरू का आदर करना चाहिए।

सम्पादकीयम्

एकत्रितरूपेण द्वयोः मोर्चयोः

रूसदेशे जयशंकरः, चीनदेशे डोवालः : एकत्रितरूपेण द्वयोः मोर्चयोः भारतस्य प्रमुखः कूटनीतिकः कदमः भारतस्य विदेशनीतिः सम्प्रति रूसी-चीन-मोचेर्षु सक्रियः अस्ति। विदेशमन्त्री एस.जयशंकरः रूसदेशे व्यापारस्य, ऊजार्यां, वैश्विकविषयेषु च चर्चां कुर्वन् अस्ति, एनएसए अजीत डोवालः चीनदेशे सीमाविवादस्य विषये वार्तां कर्तुं निश्चितः अस्ति। ब्रिक्स-शिखरसम्मेलनस्य, अमेरिका-देशस्य दबावस्य च मध्ये भारतं स्वसम्बन्धानां सन्तुलनं कृत्वा स्वस्य सामरिक-हितं सुरक्षितं कर्तुं प्रयतते भारतस्य द्वौ महत्त्वपूर्णौ कूटनीतिकभ्रमणौ युगपत् प्रचलति। विदेशमन्त्री एस जयशंकरः रूसदेशे अस्ति, एनएसए अजीत डोवालः चीनदेशे अस्ति। एतानि भ्रमणं भारतस्य विदेशनीतेः भागः अस्ति यस्य उद्देश्यं चीनदेशेन सह तनावानां निवारणं भवति तथा च परिवर्तनशीलपरिस्थितेः सम्मुखे रूसदेशेन सह दीर्घकालीनसम्बन्धं सुदृढं कर्तुं च। सीमाविषये वार्ताः अजीत डोवालः सीमाविवादसम्बद्धेषु चचार्सु भागं गृह्णीयात्। एतेषु वार्तासु द्विपक्षीयसम्बन्धसम्बद्धाः अनेकाः प्रमुखाः विषयाः सम्बोधिताः भविष्यन्ति। २०२४ तमस्य वर्षस्य अक्टोर्ब-मासे रूसदेशस्य कजान्-नगरे ब्रिक्स-शिखरसम्मेलनस्य समये पीएम-नरेन्द्रमोदी-चीन-राष्ट्रपति-शी-जिनपिङ्ग-योः मध्ये एकस्याः समागमेन तनावपूर्णद्विपक्षीयसम्बन्धेषु पिघलनस्य आरम्भः अभवत् ततः परं द्वयोः राष्ट्रयोः संवादः वर्धितः अस्ति। परन्तु सुधारस्य लक्षणानाम् अभावेऽपि विश्वासः पूर्णतया पुनः स्थापितः इति वक्तुं न शक्यते; अरुणाचलप्रदेशे बीजिंगस्य वृत्तिः अस्य प्रमाणरूपेण कार्यं करोति।

सः मेकअप कलाकारः फैशनव्यावसायिकः, डिजिटलसामग्रीनिमार्ता च आसीत्

इन्स्टाग्राम रील्स्, वायरल् विडियो इत्येतयोः माध्यमेन सः महत्त्वपूर्णं मान्यतां प्राप्तवान्

ब्रह्मास्त्र ▸▸ अमृतसर

सः मेकअप कलाकारः। फैशनव्यावसायिकः, डिजिटलसामग्रीनिमार्ता च आसीत्। सः फैशन-उद्योगे एव स्वस्य कार्यक्षेत्रस्य आरम्भं कृतवान्। सः पञ्जाब-मुम्बई-नगरयोः स्टाइलिस्ट्-सहायक-वेष-निमार्तृरूपेण कार्यं कृतवान् इति समाचाराः वदन्ति। फैशन-चलच्चित्र-उद्योगेषु तस्य अनुभवः तस्य सामाजिक-माध्यम-सामग्रीषु प्रतिबिम्बितः। इन्स्टाग्राम रील्स्, वायरल् विडियो इत्येतयोः माध्यमेन सः महत्त्वपूर्णं मान्यतां प्राप्तवान्। तस्य सामग्रीयां मेकअप-सौन्दर्य-युक्तयः, फैशन-विलासिता-जीवनशैली, पॉप्-संस्कृतिः, सामाजिक-विषयाः च इत्यादयः विस्तृताः विषयाः आसन्।

सः पोड्कास्ट्-मध्ये अपि मेकअप, चलच्चित्र-उद्योगः, लिङ्गः, समाज-स्वीकारः इत्यादीनां विषयाणां चर्चां कृतवान्। कालान्तरे सः केवलं फैशन-सौन्दर्ययोः केन्द्रितस्य निमार्तृणां व्यापकसार्वजनिकव्यक्तित्वयुक्तस्य कस्यचित् कृते विकसितः। एलजीबीटीक्यू मुद्देषु खुलेन उक्तवान् उन्मत्तसन्धुः अपि जनदृष्ट्या स्वस्य व्यक्तिगतपरिचयस्य विषये मुक्तः आसीत्। रिपोर्ट्स् सूचयन्ति यत् सः सार्वजनिकरूपेण समलैङ्गिकः इति पहिचानं कृतवान् तथा च समुदायस्य सामाजिकस्वीकारस्य च विषयेषु बहुधा स्वविचारं साझां करोति स्म। एतेन मुक्तकण्ठेन सामाजिकमाध्यमेषु तस्य समर्थनं विरोधं च प्राप्तम्; रिपोर्ट्-पत्रेषु तस्य प्रति निर्देशितस्य समलैङ्गिक-ट्रोलिंग्-इत्यस्य उदाहरणानि अपि उल्लिखितानि सन्ति। सन्धुः आलोचनानां प्रतिक्रियां स्वकीयायाः अद्वितीयशैल्यां दत्तवान्, सार्वजनिकरूपेण च स्वपरिचयेन सह पूर्णतया सहजः दृश्यते स्म। तस्य



सामाजिकमाध्यमसामग्री फैशनस्य मेकअपस्य च परं गता, यत्र व्यक्तिगतस्वतन्त्रता, सामाजिकदृष्टिकोणाः इत्यादयः विषयाः समाविष्टाः आसन्। फलतः तस्य अङ्कीयव्यक्तित्वं केवलं ग्लैमर-सौन्दर्यसामग्रीषु एव सीमितं नासीत्; सामाजिकविषयेषु चर्चां कर्तुं अपि सः स्वस्य मञ्चस्य उपयोगं कृतवान्।

सिनेमासम्बद्धः करियरः सामाजिकमाध्यमेषु प्रसिद्धिं प्राप्तुं पूर्वं, तस्य समये च मद् सन्धुः पञ्जाबी-चलच्चित्र-उद्योगेन सह अपि सम्बद्धः आसीत्। सः अनेकेषु पञ्जाबी-चलच्चित्रेषु अभिनयं कृतवान्, 'ओये भोले ओये' इति श्रृङ्खलायां च सम्बद्धः इति समाचाराः वदन्ति। फैशन-उद्योगे तस्य अनुभवेन तस्मै कॅमेरा-पुरतः पृष्ठतः च कार्यं कर्तुं अन्वेषणं जातम्। मेकअप, स्टाइलिंग्, वेषभूषानिमार्णे च तस्य विशेषज्ञता पश्चात् तस्य डिजिटलसामग्रीणां विशिष्टं भावम् अयच्छत्।

सामाजिकमाध्यमानां युगे सः एतस्य अनुभवस्य अनुवादं स्वस्य सामग्रीरूपेण कृतवान्-.....तथा च पोड्कास्ट्-माध्यमेन सा विशिष्टं प्रेक्षक-आधारं संवर्धितवती।

धमकीभ्यः हत्यापर्यन्तं : बहवः प्रश्नाः उत्पद्यन्ते मद् सन्धुस्य हत्यायाः अनन्तरं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णः प्रश्नः अस्ति यत् सा किमर्थं लक्ष्यं कृतवती इति। सामाजिकमाध्यमेषु प्राप्ताः धमकीः हत्यायाः कारणम् आसीत् वा, अथवा तस्य पृष्ठतः अन्यत् कारणम् आसीत् वा? अधुना यावत् पुलिसैः हत्यायाः प्रेरणाविषये निश्चितनिष्कर्षः सार्वजनिकरूपेण न प्रकाशितः। एतेन सामाजिकमाध्यमेषु प्रचलितानां दावानां, पुलिस-अनुसन्धानस्य समये स्थापितानां तथ्यानां च भेदः महत्त्वपूर्णः भवति। इदानीं पुलिसैः अनेके प्रश्नाः सम्मुखीभवन्ति यत् आक्रमणकारिणः के आसन्? सन्धुं कथं लक्ष्यं कृतवन्तः? अपराधः पूर्वनियोजितः आसीत् वा? किं तेषां पूर्वज्ञानं सन्धुस्य कार्याणि वा नित्यकर्मणि वा आसीत्? अन्वेषणस्य प्रगतेः क्रमेण एतेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि उद्भवन्ति इति अपेक्षा अस्ति। वायरल विडियो चिन्ता उत्थापयति हत्यायाः अनन्तरं अपराधस्थलस्य कथिताः भिडियाः सामाजिकमाध्यमेषु तीव्रगत्या प्रचलन्ति स्म। एतेषु केषुचित् संधुः मार्गे आहतः शयानः इति कथ्यते। एतादृशानां सामग्रीनां वायरल्-प्रकृतिः पुनः प्रश्नं जनयति यत् सामाजिकमाध्यमेषु गम्भीर-आपराधिक-घटनानां विडियो-साझेदारी-करणस्य सीमाः काः भवेयुः? उन्मत्तसन्धुस्य सन्दर्भे अपि घटनायाः संवेदनशीलतां दृष्ट्वा एतादृशानां भिडियानां, चित्राणां च साझेदारीतः निवृत्तिः महत्त्वपूर्णा अस्ति। यद्यपि अन्वेषणसंस्थानां कृते वास्तविकं डिजिटलसाक्ष्यं महत्त्वपूर्णं भवितुम् अर्हति तथापि सामाजिकमाध्यमेषु प्रसारितस्य प्रत्येकं सामग्रीखण्डं वैधप्रमाणं न गणयितुं शक्यते।

नर्सिंगशिक्षायाः

स्वरूपं मानक शैक्षणिक पाठ्यक्रमात् भिन्नम् अस्ति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

न्यायालयस्य समक्षं मूलप्रश्नः आसीत् यत् यदि कस्यापि संस्थायाः नर्सिंगशिक्षायाः कृते आवश्यकानां संसाधनानाम् अभावः भवति तर्हि तस्याः मान्यताप्रदानस्य आधारः कः? नर्सिंगशिक्षायाः स्वरूपं मानकशैक्षणिकपाठ्यक्रमात् भिन्नम् अस्ति। छात्राणां कृते कक्षा-आधारित-सैद्धान्तिक-शिक्षणस्य, प्रयोगशालासु व्यावहारिक-प्रशिक्षणस्य, चिकित्सालयेषु च नैदानिक-अनुभवस्य च संयोजनस्य आवश्यकता वर्तते। फलतः आधारभूतसंरचनानां वास्तविकं उपलब्धता-यथा भवनानि, प्रयोगशालाः, प्रशिक्षिताः संकायः, प्रशिक्षणव्यवस्थाः, अन्याः आवश्यकाः सुविधाः च-छात्राणां शिक्षायाः महत्त्वपूर्णः घटकः भवति

एवं न्यायालयः अधुना परीक्षते यत् प्रमाणीकरणार्थं दस्तावेजानां उपलब्धता एव पर्याप्तं वा, अथवा संस्थायाः वास्तविकस्थितेः सम्यक निरीक्षणमपि क्रियते वा इति। मान्यताव्यवस्थायां उत्तरदायित्वस्य जाँचः नर्सिंग् महाविद्यालयानाम् मान्यतां दातुं उत्तरदायी नियामकसंस्थायाः कस्यापि संस्थायाः अनुमतिं दातुं पूर्वं निर्धारितमानकानां अनुपालनस्य सत्यापनम् अपेक्षितम् अस्ति। अस्याः एव प्रक्रियायाः विश्वसनीयतायाः विषये पी.आइ.एल. याचिकाकर्तानां उत्थापितानां आरोपानाम् विषये उच्चन्यायालयः अद्यापि अन्तिमनिष्कर्षं न प्राप्तवान्।

वाहनस्य पञ्जीकरणसङ्ख्या अपि अभिलेखिता भवितुम्

ब्रह्मास्त्र ▸▸ चण्डीगढ़

यदि ईंधनं पूरयितुं आगच्छन्तं वाहनं वैधं अभावं प्राप्नोति तर्हि तस्य पेट्रोल, डीजल, वा आपूर्तिः न भविष्यति। परिवहनविभागस्य निदेर्शानुसारं एतादृशस्य वाहनस्य पञ्जीकरणसङ्ख्या अपि अभिलेखिता भवितुम् अर्हति। तदनन्तरं प्रमाणपत्रं प्राप्तुं वाहनचालकस्य अधिकृतं पीयूसीपरीक्षणकेन्द्रं गन्तुं आवश्यकं भविष्यति। प्रमाणपत्रस्य वैधतायाः अनन्तरमेव ईंधनं पूरयितुं अनुमतिः प्रदत्ता भविष्यति। अस्याः प्रणाल्याः उद्देश्यं वाहनचालकानाम् प्रदूषणपरीक्षायाः परिधिमध्ये आनयितुं मार्गे वाहनानां उत्सर्जनस्य निरीक्षणं वर्धयितुं च अस्ति।

राशिफल

मेष : बिजनेसमैन को अपने खर्चों के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए। घूमने-फिरने का प्लान भी बन सकता है।

वृषभ : अपनी एक्सपर्टीज बढ़ाने और कुछ नई स्किल्स सीखने में निवेश करने के लिए यह अच्छा दिन होगा।

मिथुन : कारोबार फलेगा- फूलेगा। इसलिए अच्छे प्रॉफिट की उम्मीद कर सकते हैं। आपको पूरा लाभ उठाना चाहिए।

कर्क : ऑयली फूड्स से दूरी बनाएं। आपकी कड़ी मेहनत आपको प्रमोशन दिला सकती है। पुरानी यादें वापस आ सकती है।

सिंह : आज आपको खासतौर पर अपने स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए। मेंटल हेल्थ पर ध्यान दें।

कन्या : आर्थिक स्थिति उम्मीद के मुताबिक रहेगी। साथी पर अपनी बात थोपने से बचें। नींद पूरी करना जरूरी रहेगा।

तुला : आपको आज सीनियर्स के साथ सावधानी बरतने की जरूरत है। अहंकारी न होने का प्रयास करें।

वृश्चिक : दोपहर के समय में आपको कुछ राहत मिलने की संभावना है। दिन की शुरूआत अच्छी होगी लेकिन अंत मध्यम रहेगा।

धनु : खुद और स्किन को हेल्दी रखने के लिए आपको डाइट में हरी सब्जियां शामिल करनी चाहिए।

मकर : परिवार के किसी सदस्य से कोई गुड न्यूज मिल सकती है। लगातार एक ही जगह बैठने से बचें।

कुंभ : बिजनेस में आर्थिक कमजोरी का अनुभव हो सकता है। प्रेम जीवन में रिश्ते मजबूत होंगे। परिवार के साथ भी अच्छा समय बीतेगा।

मीन : आपके खर्चे बढ़ सकते हैं। आपको अपनी फाइनेंशियल कंडीशन के प्रति सावधान रहने की जरूरत है।

जापान में 3 दिन पहले ही पाकिस्तान को हराया था, वैभव सूर्यवंशी का खेलना मुश्किल

लखनऊ में भारत-वेस्टइंडीज पहला टी-20 आज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ लखनऊ





दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारतः अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नितिश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मयंक यादव/प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह

वेस्टइंडीजः शाई होप (कप्तान, विकेटकीपर), कामिल पूरन, शिमरोन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमार स्प्रिंगर, अकील हुसैन, गुडाकेश मोती, शमार जोसेफ, मैथ्यू फोर्ड

भारत ने एशियन गेम्स में 3 दिन पहले ही पाकिस्तान को हराकर गोल्ड जीता था। अब उसे वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलनी है। 5 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

एशियन गेम्स की टीम के 14 में से 12 भारतीय खिलाड़ी इस सीरीज के स्क्वॉड का हिस्सा हैं। ऐसे में ट्रेवल और पर्याप्त रेस्ट टाइम न मिलना कई खिलाड़ियों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके अलावा भारत के सामने सबसे बड़ा सवाल ओपनिंग कॉम्बिनेशन को लेकर रहेगा। इसमें 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का आज खेलना मुश्किल नजर आता है।

सूर्यवंशी का खेलना मुश्किल क्यों- एशियन गेम्स में अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने ओपनिंग की थी। वहीं संजू सैमसन नंबर-3 पर उतरे थे। तब भारत ज्यादातर ऑलराउंडर्स के साथ खेल रहा था। जापान की धीमी पिच पर अभिषेक शर्मा जैसे पार्ट टाइम स्पिनर ने भी अच्छी गेंदबाजी की थी। अब वेस्टइंडीज के सामने ईशान किशन के नंबर-3 पर खेलने की संभावना है। ऐसे में प्लेइंग-11 में अभिषेक, सैमसन और सूर्यवंशी में से सिर्फ 2 ही खेल सकते हैं। अभिषेक-सैमसन टीम के फर्स्ट चॉइस ओपनर्स हैं। इसलिए सूर्यवंशी को अभी इंतजार करना पड़ सकता है।

भारत लखनऊ में एक भी मैच नहीं हारा- दोनों टीमों के बीच अब तक 31 टी-20 इंटरनेशनल मैच हुए हैं। भारत ने 20 और वेस्टइंडीज ने 10 मैच जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा है। भारत इकाना स्टेडियम में एक भी टी-20 मैच नहीं हारी है। यहां खेले तीनों मुकाबले भारत ने जीते हैं। यहां भारत ने अपना पहला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ ही नवंबर 2018 में खेला था। मुकाबले में भारत को 71 रन से जीत मिली थी।

ईशान इस साल हजार रन बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज- ईशान किशन इस साल टी-20 इंटरनेशनल में हजार रन बनाने वाले दुनिया के इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने 29 मैचों में 169.47 की स्ट्राइक रेट से 1005 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 103 रन रहा है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भी ईशान का रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने यहां 9 टी-20 पारियों में एक सेंचुरी और 3 फिफ्टी लगाई हैं। उनका औसत 66.57 रहा है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह टीम के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उन्होंने 22 टी-20 मैचों में 30 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 51 रन देकर 5 विकेट रहा।

शानदार फॉर्म में वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर- वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी में शिमरोन हेटमायर पर नजर रहेगी। उन्होंने उढछ 2026 में 12 पारियों में 367 रन बनाए। वे टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उनका स्ट्राइक रेट 197.31 रहा। इस साल खेले 16 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 566 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 180.83 रहा। गेंदबाजी में इस साल शमार जोसेफ वेस्टइंडीज के टॉप विकेट टेकर रहे हैं। उन्होंने 13 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 22 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 33 रन देकर 5 विकेट रहा।

पिच और मौसम- इकाना की सेंटर पिच नंबर-5 पर मुकाबला खेला जाएगा। यह लाल और काली मिट्टी के मिश्रण वाली पिच है। आईपीएल 2026 में इस मैदान पर खूब रन बने थे, इसलिए बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। लखनऊ में सोमवार को बारिश के कारण दोनों टीमों का प्रैक्टिस सेशन प्रभावित हुआ था। हालांकि, मैच के दिन बारिश का अनुमान नहीं है।

सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे

मुंबई के लिए 11 अक्टूबर से खेल सकते हैं, शार्दूल ठाकुर चोट के कारण शुरूआती मैचों से बाहर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। वे मुंबई के लिए पहले एलीट ग्रुप ऊमैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं। यह मुकाबला 11 अक्टूबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। सूर्यकुमार ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच आईपीएल 2026 में खेला था। वहीं शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरूआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने एमसीए



अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।

वर्ल्डकप जीतने के बाद टीम से बाहर हैं सूर्या

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें कप्तानी से हटा दिया और श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाया। यहां तक आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान और जापान सीरीज की टीमों में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया। सिलेक्टर्स ने उनके खराब फॉर्म को वजह बताया। शार्दूल को लेकर एमसीए के एक सूत्र के मुताबिक, शार्दूल को हाथ में चोट तब लगी, जब आयुष म्हात्रे के लगाए शॉट से गेंद उनके हाथ पर लगी। इस चोट के कारण वह कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। रणजी ट्रॉफी इतिहास की सबसे सफल टीम मुंबई के लिए सीजन शुरू होने से पहले शार्दूल की गैरमौजूदगी बड़ा झटका है। 34 साल के शार्दूल ने पिछले सीजन मुंबई के लिए छह मैच खेले थे।

पीसीबी की शर्तों पर पाकिस्तान डब्ल्यूएल से बाहर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान चैंपियंस ने सोमवार को वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के तीसरे सीजन से नाम वापस ले लिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम को टूर्नामेंट में खेलने के लिए एनओसी देने पर कुछ शर्तें रखी थीं। सूत्रों के मुताबिक, इनमें पिछले साल के विवाद को लेकर भारतीय खिलाड़ियों से लिखित माफी और इस बार दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हैंडशेक की सहमति शामिल थी। डब्ल्यूसीएल आयोजन समिति ने पीसीबी की इन शर्तों को मानने से इनकार कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, आयोजकों ने पीसीबी की व्यावसायिक शर्तें स्वीकार कर ली थीं, लेकिन लिखित माफी और हैंडशेक की मांग नहीं मानी। इसके बाद पाकिस्तान चैंपियंस ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। पिछले सीजन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया था। इसके चलते ग्रुप स्टेज का मुकाबला रद्द हो गया था।

ज्योतिष/वास्तु

शुक्रादित्य राजयोग से बदलेगा भाग्य

17 अक्टूबर से इन 4 राशियों को मिल सकता है धन लाभ

ज्योतिष के अनुसार 17 अक्टूबर 2026 से शुक्रादित्य राजयोग का प्रभाव देखने को मिल सकता है। इस योग के शुभ प्रभाव से 4 राशियों के लिए धन लाभ, करियर में प्रगति और आर्थिक अवसरों के योग बन सकते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की युति को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। जब दो ग्रह एक ही राशि में एक साथ आते हैं, तो इसका प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग देखने को मिलता है। अक्तूबर में सूर्य और शुक्र की युति से शुक्रादित्य राजयोग बनने जा रहा है। इस योग का प्रभाव कुछ राशियों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। दरअसल, शुक्र ग्रह वर्तमान में तुला राशि में स्थित हैं। वहीं 17 अक्तूबर 2026, शनिवार को शाम 7 बजकर 57 मिनट पर सूर्य तुला राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के तुला राशि में प्रवेश के साथ ही सूर्य और शुक्र की युति बनेगी, जिससे शुक्रादित्य राजयोग का निर्माण होगा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस योग से कुछ राशि वालों को करियर, धन और कारोबार से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। ज्योतिष में सूर्य को आत्मविश्वास, मान-सम्मान, पद और प्रतिष्ठा का कारक ग्रह माना गया है। वहीं शुक्र को सुख-सुविधाओं, धन, भौतिक समृद्धि और ऐश्वर्य से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में सूर्य और शुक्र की युति कुछ राशियों के लिए आर्थिक और पेशेवर दृष्टि से लाभकारी हो सकती है। इस दौरान नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिलने, कारोबार में अवसर बढ़ने और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के योग बन सकते हैं।

मेष राशि- मेष राशि के जातकों के लिए शुक्रादित्य राजयोग करियर और आर्थिक मामलों में सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रयासों को पहचान मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिलने के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो सकता है। जो लोग नौकरी बदलने या करियर में किसी नए विकल्प पर विचार कर रहे हैं, उन्हें भी अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति की बात करें तो आमदनी के नए रास्ते खुल सकते हैं। रुके हुए काम पूरे होने से धन लाभ की स्थिति बन सकती है। कारोबार से जुड़े लोगों को साझेदारी के काम में फायदा मिल सकता है। किसी पुराने संपर्क के माध्यम से भी व्यापार में नया अवसर मिलने की संभावना है। बड़े आर्थिक फैसले लेते समय सोच-समझकर आगे बढ़ना बेहतर रहेगा।

कर्क राशि- कर्क राशि वालों के लिए सूर्य और शुक्र की युति सुख-सुविधाओं और पारिवारिक जीवन के लिहाज से महत्वपूर्ण रह सकती है। इस अवधि में घर-परिवार से जुड़ी कुछ इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ संबंध बेहतर होने और घर में सकारात्मक वातावरण बनने के योग हैं। नौकरी करने वाले लोगों को कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। अधिकारियों और सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। कारोबार करने वालों के लिए भी समय अनुकूल रह सकता है। नए काम या प्रोजेक्ट में सफलता मिलने के साथ आय में बढ़ोतरी के अवसर बन सकते हैं। इस दौरान अपनी योजनाओं को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

कन्या राशि- कन्या राशि के जातकों के लिए शुक्रादित्य राजयोग आर्थिक दृष्टि से लाभकारी साबित हो सकता है। इस अवधि में आय के स्रोत बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना बन सकती है। निवेश या आर्थिक योजना से जुड़े मामलों में भी आपको नए अवसर मिल सकते हैं। हालांकि, किसी भी फैसले से पहले पूरी जानकारी लेना जरूरी रहेगा। व्यापार करने वाले जातकों के लिए कोई बड़ी डील सामने आ सकती है। पुराने ग्राहकों या कारोबारी संपर्कों से लाभ मिलने के योग हैं। नौकरीपेशा लोगों को करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और आपकी कार्यक्षमता को महत्व दिया जा सकता है। मेहनत और योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

तुला राशि- तुला राशि में ही सूर्य और शुक्र की युति बनने जा रही है। ऐसे में यह गोचर तुला राशि के जातकों के लिए विशेष महत्व रख सकता है। कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने के अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिलने या किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिल सकता है। कारोबार करने वाले लोगों के लिए भी यह समय नए संपर्क और व्यावसायिक अवसर लेकर आ सकता है। किसी पुराने काम के पूरा होने से राहत मिल सकती है। आपकी सामाजिक और पेशेवर पहचान में भी वृद्धि हो सकती है। इस दौरान आत्मविश्वास बढ़ेगा। अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी। सफलता को बनाए रखने के लिए काम में निरंतरता और फैसलों में संतुलन रखना जरूरी होगा।

खबर एक नजर...

लड़की उठाने पहुंची महिला को सांप ने डंसा

उज्जैन। राजस्थान की रहने वाली प्रिया पति लखन प्रजापत परिवार के साथ कुछ सालों से पंचक्रोशी मार्ग स्थित ईंट-भट्टे पर काम कर रही है और भट्टे पर ही बने मकान में रहती है। सोमवार शाम वह खाना बनाने के लिये लकड़ी उठाने घर से बाहर आई थी, उसी दौरान उसके पैर में सांप ने डंस लिया। उसकी चिख सुनकर परिवार बाहर आया, सांप लकड़ियों के ढेर में चला गया था। प्रिया कुछ देर बाद बेहोश हो गई। उसे उपचार के लिये चरक अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने हालत खतरे से बाहर बताई है और उपचार क लिये भर्ती किया। कुछ देर बाद प्रिया को होश आ चुका था।

दुर्घटना में घायल की सात दिन बाद हुई मौत

उज्जैन। आगर जिले से सड़क दुर्घटना में घायल बाबूलाल पिता रामचंद्र विश्वकर्मा 49 साल को सात दिन पहले परिवार उपचार के लिये उज्जैन लेकर आया था। निजी अस्पताल में चल रहे उपचार के दौरान सोमवार तड़के बाबूलाल की मौत हो गई। नीलगंगा थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों ने बताया कि बाबूलाल ग्राम पिपलिया गया था। वापस लौटते समय बाइक को पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी। बाबूलाल खेती किसानी का काम करता था और एक बच्चे का पिता था। नीलगंगा थाना पुलिस के अनुसार मर्ग डायरी जांच के लिये आगर जिले के बडौद थाना पुलिस को भेजी जायेगी।

बदमाशों ने रुपए नहीं देने पर युवक को मारा चाकू

उज्जैन। छोटी मायापुरी अमन नगर में रहने वाला संतोष पिता प्रहलाद लोधवाल 32 साल रविवार रात 11 बजे पैदल घर लौट रहा था। उसे रास्ते में रोशन और रमेश ने रोका और रूपयों की मांग की। संतोष ने देने से मना किया तो दोनों ने गाली गलौच करते हुये चाकू से हमला कर दिया। दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। घायल संतोष की शिकायत पर चिमनगंज थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू की है। उधारी के पैसों को लेकर नीलकंठ द्वार के पास फराज पिता रियाजउद्दीन कुरैशी 30 साल निवासी अहमदनगर को रोक मारपीट की गई। महाकाल थाना पुलिस ने फराज की शिकायत पर एक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

बाइक सवार दंपति को डम्पर ने मारी टक्कर

उज्जैन। ग्राम पिंगलेश्वर में रहने वाला सद्दाम पिता मेहबूब पटेल 32 साल पत्नी अंजुम बी 30 साल के साथ इंदौर गया था। वापस लौटते समय निनौरा टोल प्लाजा के पास पीछे से आये डंपर ने टक्कर मार दी। घटनाक्रम में दंपति घायल हो गये। एम्बुलेंस की मदद से शासकीय चरक अस्पताल लाया गया। जहां अंजुम बी को गंभीर चोंट होने पर भर्ती किया गया। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने घायल महिला के पति के बयान दर्ज कर डंपर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

तालाब में डूबे बालक का दूसरे दिन मिला शव

उज्जैन। इंदौररोड स्थित निनौरा तालाब में रविवार को नाबालिग नहाने के लिये उतारा था लेकिन वापस बाहर नहीं आया। उसकी तलाश में अभियान की शुरूआत की गई थी। सोमवार को उसका शव तालाब से बरामद कर लिया गया। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि नवाखेड़ा में रहने वाला दीपक पिता मनोज कालबेलिया 14 साल घर से रविवार सुबह भैंस चराने निकला था। जो निनौरा तक आ गया था। दोपहर में उसके कपड़े निनौरा तालाब के पास मिले थे। ग्रामीणों की सूचना पर उसके डूबने की आशंका में तलाशी अभियान शुरू किया गया था। होमगार्ड की टीम ने देर शाम तक सर्चिंग की थी लेकिन कुछ पता नहीं चला था। सोमवार सुबह फिर से सर्चिंग शुरू की गई। कुछ घंटे बाद तालाब से दीपक का शव बाहर निकाल लिया गया। पुलिस के अनुसार शव मिलने पर पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से परिजन अंतिम संस्कार के लिये बॉडी अपने साथ लेकर गये है। मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

हेलमेट लगाने वाले बाइक सवारों का फूल देकर सम्मान

उज्जैन। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों को लेकर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान में रविवार को एसपी ने हेलमेट लगाने वालों को चाकलेट के साथ चाबी का छल्ला दिया गया था। सोमवार को पुलिस हेलमेट लगाने वाले और सीट बेल्ट लगाने वालों को देख उनके पास फूल लेकर पहुंची और नियमों का पालन करने पर सम्मानित किया। इस दौरान कहा गया कि यातायात नियमों का पालन चालान से बचना नहीं है, बल्कि स्वयं के साथ दूसरों के जीवन की सुरक्षा करना है। एसपी प्रदीप शर्मा ने वाहन चालकों से अपील करते हुये कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय आईएसआई मार्क वाला हेलमेट अनिवार्य रूप से पहने तथा पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट पहनाएं। कार में यात्रा करते समय सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से उपयोग करें, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग ना करे, नशे की हालत में वाहन चलाना ठीक नहीं है। चौराहा पर ट्राफिक संकेतों का पालन करें और पैदल यात्रियों का सम्मान करें।

दिन	678-1	457-6
मेन बाजार	258-5	229-3
मिलन डे	251-4	117-9
मिलन नाइट	127-0	288-8

1 7 8

नवरात्रि का पर्व शुरू होने में कुछ दिन शेष बचे, पुलिस ने समितियों के साथ बैठक कर दिये निर्देश

दुर्गा पंडालों में बालिकाओं की सुरक्षा का रखना होगा ध्यान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



नवरात्री का पर्व शुरू होने में कुछ दिन शेष बचे है। शहर में कई स्थानों पर दुर्गा पंडालों में माता की प्रतिमा स्थापित की जायेगी और गरबों का आयोजन होगा। सोमवार को पुलिस ने आयोजन समितियों के साथ बैठक आयोजित कर बालिकाओं, महिलाओं और बच्चों का विशेष ध्यान रखने के साथ सुरक्षा और नियमों का पालन करने के निर्देश जारी किये।

माता की आराधना का पर्व नवरात्री शांति और सौहार्द्र के साथ मनाया जा सके इसको लेकर पुलिस ने अपनी तैयारियां रविवार से शुरू कर दी थी। सोमवार को दुर्गा पांडाल समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें सीएसपी संजू चौहान, महाकाल थाना प्रभारी ने अपने क्षेत्र में बनाये जाने वाले दुर्गा पांडाल समिति के पदाधिकारियों से चर्चा की और बताया गया कि पंडाल स्थापना के लिये आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद ही आयोजन किया जाए, पंडाल इस प्रकार से लगाये कि आमजन के साथ यातायात प्रभावित ना हो। प्रवेश एवं निकास के अलग-अलग मार्ग रखें, भीड़ को नियंत्रित करने हेतु पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवक तैनात करें। पंडाल में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था तय की जाये। लाउडस्पीकर/डीजे का संचालन अनुमति के साथ निर्धारित नियमों के अनुसार ही करें। महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। किसी भी विवाद की स्थिति में स्वयं कानून हाथ में न लें और तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस द्वारा आयोजन समितियों से अपनी की गई कि आस्था के साथ जिम्मेदारी निभाये। विदित हो कि रविवार को पुलिस द्वारा डीजे संचालकों की बैठक आयोजित की गई थी और रात 10 बजे बाद डीजे नहीं बजाने के निर्देश जारी करते हुये संचालकों से बॉण्ड भरवाये गये थे।

5 किलो तांबे की पाइप लाइन बरामद, पुलिस ने भेजा जेल

गिरफ्त में मस्जिद में चोरी करने वाला बदमाश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



दिनदहाड़े मस्जिद में चोरी करने वाला बदमाश पुलिस की गिरफ्त में आ गया। उसकी निशानदेही पर मस्जिद से चुराई गई एयर कंडीशन की तांबे से बनी 5 किलो की पाइप लाइन बरामद की गई है। बदमाश पूर्व में भी चोरी कर चुका था।

चामुंडा माता चौराहा अल्लाह करीम मस्जिद में 28 दिन पहले चोरी की वारदात हो गई थी। बदमाश एयर कंडीशन की तांबे से बनी पाइप लाइन के साथ 2 क्वाइल चुराकर ले गया था। मस्जिद के सचिव की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने धारा 303(2), 305(ए) का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया था। चोरी दिनदहाड़े होना सामने आई थी, वहीं बदमाश सीसीटीवी कैमरे तांबे की पाइप लाइन लेकर जाता दिखाई दिया था। जिसकी पहचान कर लगातार तलाश की जा रही थी। 28 दिन बाद पुलिस ने आगररोड रेलवे क्वार्टर के पास से शादाब उर्फ खलीफा पिता अब्दुल 26 वर्ष निवासी जुना सोमवारिया हाल मुकाम अहमद नगर मदरसे के पास थाना चिमनगंज को गिरफ्तार किया। जिससे पूछताछ के बाद चोरी की गई 5 किलो वजनी तांबे की पाइप लाइन बरामद की गई। सीएसपी संजू चौहान ने बताया कि आरोपी से बरामद चोरी का मश्रुका 9 हजार कीमत का है।

जिसकी गिरफ्तारी के लिये टीआई दिनबंधुसिंह तोमर के नेतृत्व में एसआई गोपाल सिंह राठौर, आरक्षक हेमराज और ऋषिकेश तोमर की टीम गठित की गई थी। आरोपी पूर्व में तोपखाना स्थित मस्जिद में चोरी को अंजाम दे चुका था। उसके खिलाफ चोरी नकबजनी के चार मामले दर्ज है। टीआई तोमर ने बताया कि चोरी का मामल बरामद होने पर सोमवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया था। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

इधर चोरों की तलाश में देख रहे फुटेज

तीन दिन पहले नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के वृदांवनधाम कालोनी में 3 से 4 मकानों में ताला तोड़कर चोरी की वारदात होना सामने आया था। पुलिस ने चोरों का पता लगाने के लिये क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखना शुरू किये थे। जिसके माध्यम से चोरों की संख्या 3 होना सामने आई थी। चोरों ने वृदांवनधाम कालोनी में ताले तोड़ने से पहले मोतीबाग क्षेत्र से एक्टिवा चोरी की थी। जिसे वृदांवनधाम कालोनी में छोड़कर वहां से एक बाइक चुराकर भाग निकले थे। पुलिस जांच में बाइक चोरी के साथ हजारों की आभूषण चोरी होना सामने आया था। 2 दिनों से पुलिस चोरों के भागने वाले रूट को ट्रेस किया जा रहा है। फिलहाल उनके इंदौर की ओर जाने की जानकारी सामने आई है।

कायथा में बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

मौके पर पिता की हुई मौत, पुत्र हुआ घायल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कायथा में तेजगति से दौड़ते वाहन ने सामने से बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में पिता की दर्दनाक मौत हो गई। पुत्र घायल हुआ है। कायथा पुलिस ने सोमवार को मृतक का पोस्टमार्टम कराया।

कायथा थाना पुलिस ने बताया कि रविवार-सोमवार रात बाइक पर सवार रामेश्वर नायक और उसका पुत्र निकुंज निवासी कायथा घर लौट रहे थे। रास्ते में तेजगति से आये अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में रामेश्वर की दर्दनाक मौत हो गई और पुत्र घायल हो गया। दोनों को रात में ही उज्जैन लाया गया था। पुत्र को उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। रामेश्वर का शव चरक अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया। सोमवार सुबह मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने बताया कि रामेश्वर वेल्डिंग की दुकान चलता था। रात में पिता-पुत्र दुकान बंद करने के बाद बाजार गये थे, जहां से वापस घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार अज्ञात वाहन की तलाश के लिये आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे है। घायल पुत्र की हालत खतरे से बाहर है।

कक्षा 10वीं के छात्र की कार्डियक अरेस्ट से मौत

बस स्टॉप पर छोड़ने आई थी, परिवार का था एकलौता पुत्र

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कक्षा 10 वीं में अध्ययन करने वाले छात्र के साथ सोमवार सुबह स्तब्ध करने वाली घटना हो गई। मां उसके बस स्टॉप पर छोड़ने आई थी। छात्र ने बस में बैठने के लिये दौड़ लगाई, लेकिन गिर पड़ा उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कार्डियक अरेस्ट से निधन होना बताया। खबर सुनते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया। छात्र एकलौता पुत्र था।

घटनाक्रम श्रीकृष्ण कालोनी के बाहर का है। कालोनी में रहने वाला 16 साल का विधान कुशवाहा सेंट थॉमस स्कूल में कक्षा 10 वीं का छात्र था। सुबह मां आशा उसे कालोनी के बाहर बस स्टॉप पर छोड़ने आई थी। बस के रूकते ही विधान ने दौड़कर बस में बैठने का प्रयास किया लेकिन वह गिर पड़ा। मां उसे उठाने के लिये दौड़ी, कुछ लोगों ने मदद की, लेकिन विधान ने आंखे नहीं खोली उसे पास के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने कार्डियक अरेस्ट से निधन होने की जानकारी दी। खबर सुनते ही परिवार की आंखों से आंसू फूट पड़े। विधान परिवार का एकलौता पुत्र था। घटनाक्रम के बाद सामने आया कि विधान कुछ महिनों का था उस दौरान मां कविता का निधन हो गया था। पिता रितेश कुशवाह पत्नी के निधन से टूट गये थे। विधान काफी छोटा था। जिसके चलते पिता के बड़े भाई संजय कुशवाहा और भाभी आशा जिनकी संतान नहीं थी उन्होने विधान को अपना बेटा बना लिया था। विधान उनकी गोद में बड़ा हुआ था। परिवार फल का व्यवसाय करता है। विधान के निधन के बाद सामने आया कि वह पढ़ाई में काफी होनहार था। उसकी खेलों में रूचि थी। वह पढ़ाई के साथ कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीत चुका था। जैसे ही विधान का निधन होने की खबर स्कूल और उसके साथ पढ़ने वालों को मिली तो माहौल गमगीन हो गया। कालोनी में सभी की आंखे नम हो गई थी।



हाईवे पर हॉस्पिटल-एंबुलेंस और थानों के नंबर की लगेगी लिस्ट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संभागायुक्त आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि संभाग के जिलों में जहां-जहां भी ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, वहां पर हाईवे के किनारे के ढाबों और रेस्टोरेंटों पर हॉस्पिटल, एंबुलेंस व थानों के नंबर की लिस्ट बनाकर प्रदर्शित की जाए। साथ ही ढाबों व रेस्टोरेंट पर कार्यरत कर्मचारियों को इस बात का प्रशिक्षण भी दिया जाए कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को किस तरह निकट के अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाया जाए। आवश्यकता हो तो ऐसे कर्मचारियों के समूह को डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा प्रशिक्षण दिलवाया जाना चाहिए। आपात स्थिति में सीपीआर किस तरह से दी जानी चाहिए, इसकी भी प्रॉपर ट्रेनिंग होनी चाहिए।

सोमवार को संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितीय तल स्थित कलेक्टर सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में एडीजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, नगर निगम आयुक्त एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

नलखेडा हादसे का जिक्र किया- बैठक में पिछले माह आगर जिले के नलखेडा में हुए हादसे का जिक्र करते हुए संभागायुक्त ने कहा कि ऐसे धार्मिक व सामाजिक स्थलों के पास बनी हुई रपटें, जिन पर बाढ़ का पानी चढ़ जाता है और वहां नलखेड़ा की तरह दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है, तो एसी जगहों पर बड़े पुल बनाने का प्रस्ताव बनाकर जिले से भेजा जाए। ऐसे स्थानों पर सर्वोच्च प्राथमिकता से ब्रिज बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों एवं एमपीआरडीसी की सड़कों पर बने हुए अवैधानिक कट पॉइंट को बंद किया जाए। इंजीनियर्स को निर्देश दिए कि यदि ढाबों, पेट्रोल पंपों आदि के सामने अवैधानिक कट बनाए जाते हैं तो संबंधित इंजीनियर के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। संभागायुक्त ने कहा कि जहां भी कट पॉइंट है, वहां पर प्रॉपर साइनेज व नियमानुसार स्पीड ब्रेकर या रंबल स्ट्रिप लगाई जाना चाहिए। पेट्रोल पंप व ढाबों के लिए कट देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आवश्यक व अनावश्यक कट की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

उज्जैन में सब्जी मंडी,गौवंश परेशानी- एडीजी राकेश गुप्ता ने शहर में लगने वाली सब्जी मंडियों के कारण बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार करने, सड़कों पर दिखने वाले गौवंश को गौशाला में पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि टोल नाके के आसपास सीट बेल्ट की चेकिंग की जानी चाहिए। दो पहिया वाहन चालको को हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित किया जाए । चेकिंग के समय यह ध्यान रखा जाए कि इससे ट्रैफिक प्रभावित न हो। एनएचएआई, एमपीआरडीसी एवं पुलिस तीनों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अपने-अपने फोर्स व एंबुलेंस के नंबर आपस में साझा करें।

2 हजार वाहन की पार्किंग,बढाने की जरूरत- उज्जैन पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान में उज्जैन में 2 हजार वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है, इसके बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसी तरह प्राइवेट टैक्सी ऑपरेटरों के वाहन बेगम बाग से महाकाल की तरफ सड़कों पर खड़े रहते हैं, इनके लिए अलग पार्किंग बनाने की आवश्यकता है।

गाड़ी अड्डा-निकास चौराहा, बंबई वाले की धर्मशाला-दानी गेट मार्ग 18 मीटर

तीन और मार्गों का चौड़ीकरण कार्य हुए प्रारंभ

गुदरी चौराहा से पानदरीबा - हरसिद्धि पाल 15 मीटर चौड़ा होगा, अधिकारियों ने कार्यों की प्रगति देखी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर में मार्गों के चौडीकरण में तीन और मार्ग पर कार्य शुरू कर दिए गए हैं। इसी क्रम में गाड़ी अड्डा से निकास चौराहा, बंबई वाले की धर्मशाला से दानी गेट तथा गुदरी चौराहा से पानदरीबा होते हुए हरसिद्धि पाल तक मार्ग चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। क्षेत्रीय रहवासी स्वयं अपने मकान हाथों से तोडने का काम करते हुए नवनिर्माण में लगे हैं।

मार्ग चौड़ीकरण कार्य में क्षेत्र के रहवासियों द्वारा सकारात्मक सहयोग किया जा रहा है। रहवासी स्वयं अपने मकानों एवं प्रतिष्ठानों के चिन्हित प्रभावित हिस्सों को हटाने की कार्रवाई कर रहे हैं, जिससे चौड़ीकरण कार्य को गति मिल रही है। निगम आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रहवासियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य को शीघ्रता से आगे बढ़ाया जाए। निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चौड़ीकरण कार्य के दौरान सीवरेज, नाली निर्माण एवं अन्य आवश्यक कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करते हुए निर्धारित अवधि में मार्गों को व्यवस्थित रूप से तैयार किया जाए।



अधिकारी पहुंचे स्थल पर-

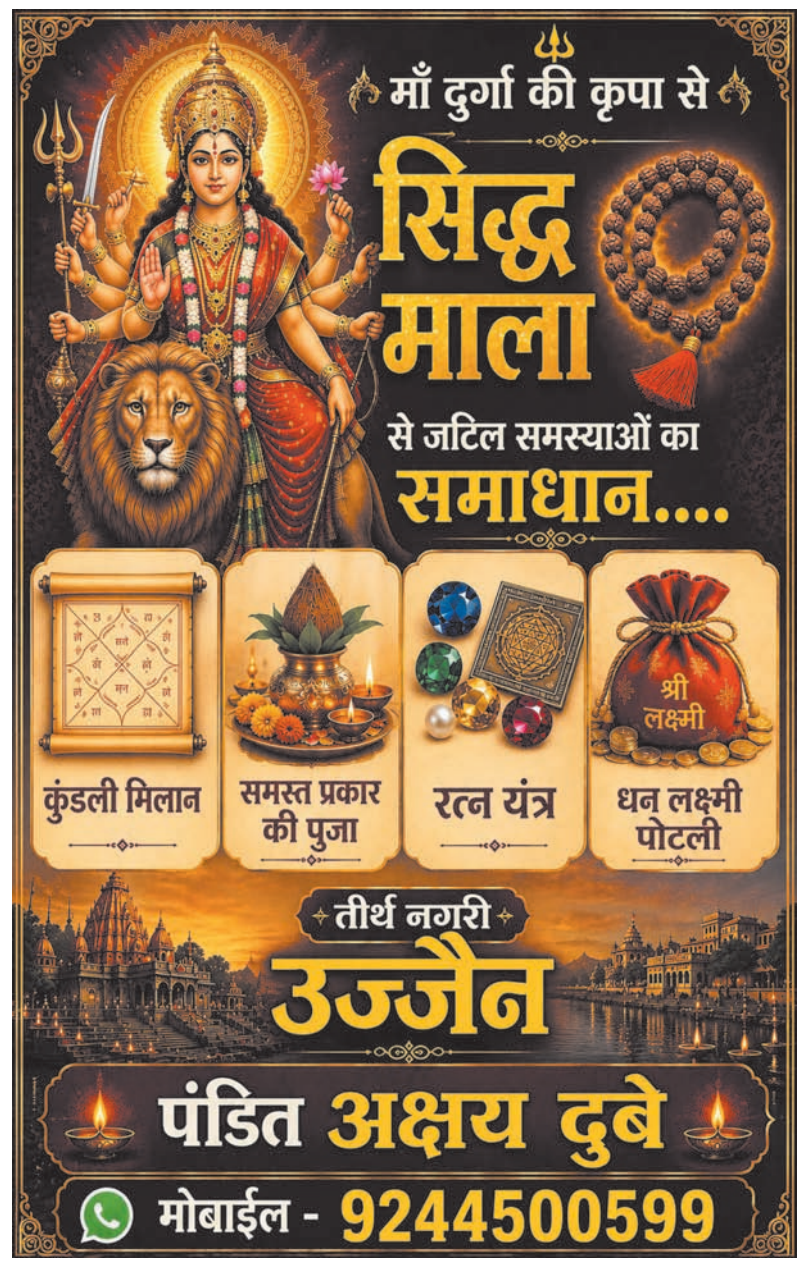
सोमवार को निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा अधिकारियों के साथ इन मार्गों का स्थल निरीक्षण किया। आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा सभी आवश्यक कार्यों को आपसी समन्वय के साथ तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने मार्गों पर सीवरेज कार्य, नाली निर्माण सहित अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संतोष टैगोर, कार्यपालन यंत्री हिमांशु तिवारी, भवन अधिकारी राजकुमार राठौर, भवन निरीक्षक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कौन सा मार्ग कितना चौडा होगा

गाड़ी अड्डा-निकास चौराहा मार्ग - लगभग 1 किलोमीटर लंबे मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किया जाना है। मार्ग पर रहवासियों द्वारा चिन्हित प्रभावित हिस्सों को स्वयं हटाने की कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम द्वारा नाली निर्माण का कार्य भी प्रचलित है।

बंबई वाले की धर्मशाला-दानी गेट मार्ग- लगभग 470 मीटर लंबे मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किया जाना है। यहां भी क्षेत्रवासियों द्वारा सहयोग करते हुए अपने मकानों के चिन्हित हिस्से स्वयं हटाए जा रहे हैं, जिससे मार्ग चौड़ीकरण कार्य को आगे बढ़ाने में सुविधा मिल रही है।

गुदरी चौराहा-पानदरीबा - हरसिद्धि पाल मार्ग -लगभग 570 मीटर लंबे मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जाना है। इस मार्ग का धार्मिक एवं यातायात की दृष्टि से विशेष महत्व है। यह मार्ग बाबा महाकाल की सवारी के साथ-साथ सिंहस्थ की पेशवाई के प्रमुख मार्गों में शामिल है।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com